हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 278 | प्रयागराज, शनिवार 21 जनवरी , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

केजरीवाल ने एलजी से पूछा, शनिवार को मिलूं या अपनी सुविधानुसार समय बताएं

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कई मुद्दों पर पत्र लिखा, जिसमें शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड भेजने पर चर्चा करने की मांग भी शामिल है। शुक्रवार को राज्यपाल को प्रस्ताव दिया कि वह शनिवार को उनसे मिलें या सुविधानुसार आप ही समय बता दें। मुख्यमंत्री ने एलजी को भेजे पत्र में लिखा, मुझे आपका पत्र मिला। आपने लिखा है कि कुछ दिन पहले जब हम सभी विधायक आपसे मिलने आए थे और आप नहीं मिल सके, क्योंकि हम आपको बिना बताए अचानक आ गए। यदि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, पूरा मंत्रिमंडल और दिल्ली के सभी विधायक आपके दरवाजे पर खड़े थे, तो जाहिर सी बात है कि वे राज्य के लिए बहुत बड़ी समस्या लेकर आए थे। आप चाहते तो बाहर आकर पांच मिनट के लिए ही, हमसे मिल सकते थे। दिल्ली की जनता को लगा कि दिल्ली के उपराज्यपाल ने दो करोड़ लोगों के प्रतिनिधियों से मिलने से इनकार कर उनका अपमान कर दिया। पत्र में लिखा है, आपने अपने पत्र में अब हम सभी मंत्रियों और विधायकों को बातचीत के

लिए रात्रिभोज पर आमंत्रित किया है, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अगर आपको सुविधा हुई तो हम शनिवार 21 जनवरी को आपके घर आएंगे दोपहर 1 बजे। यदि यह समय आपके लिए सुविधाजनक नहीं है, तो अपनी सुविधा के अनुसार हमें समय बताएं, हम आपसे मिलने आएंगे। दिल्ली की शिक्षा प्रणाली के बारे में एलजी की टिप्पणियों को रेखांकित करते हुए केजरीवाल ने कहा, कोई भी प्रणाली सही नहीं है। पहले की तुलना में शिक्षा प्रणाली में जबरदस्त सुधार हुए हैं। लेकिन बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अगर केंद्र सरकार और सभी एल–जी ने बीते वर्षों में दिल्ली की जनता के काम में बाधा नहीं डाली होती, अब तक बहुत कुछ हासिल हो गया होता। पत्र में लिखा है,एल–जी साहब एक तरफ तो मोहल्ला क्लीनिकों के वेतन, लैब टेस्ट के भुगतान, क्लीनिकों के किराए और बिजली के बिलों के भुगतान को रोकते हैं, और फिर कहते हैं कि मोहल्ला क्लीनिक ठीक नहीं चल रहे हैं? एक तरफ, एलजी साहब अधिकारियों को दिल्ली जल बोर्ड के सभी फंड बंद करने का आदेश देते हैं और फिर कहते हैं कि दिल्ली के लोगों को पानी नहीं मिल रहा है? महोदय, इस प्रकार की राजनीति अच्छी नहीं है। उपराज्यपाल को ऐसी राजनीति से बचना चाहिए। दिल्ली के सीएम ने आगे लिखा, श्संविधान ने आपको तीन जिम्मेदारियां दी हैं– दिल्ली की कानून व्यवस्था, दिल्ली पुलिस और डीडीए। आज पूरे देश में दिल्ली की कानून व्यवस्था सबसे खराब स्थिति में है। जब दुनिया दिल्ली को रेप कैपिटल कहती है, हर दिल्लीवासी का सिर शर्म से झुक गया है। शहर में अपराध लगातार बढ़ रहा है। किसी भी महिला का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल जी पर अभी–अभी हमला हुआ है। अगर महिला आयोग की अध्यक्ष सुरक्षित नहीं है तो आम महिला की क्या बात करें? दिल्ली के लोगों ने आज तक आपको शहर की कानून व्यवस्था के लिए कुछ करते हुए नहीं देखा। दिल्ली के लोगों ने आपको केवल अपनी चुनी हुई सरकार के दिन–प्रतिदिन के मामलों में हस्तक्षेप करते देखा है। बहुत गुस्सा है।

चुनी हुई सरकार को अपना काम करने दें, कानून-व्यवस्था में सुधार पर ध्यान दें एलजी : केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना से कंझावला जैसी और घटनाओं को रोकने के लिए दिल्ली की कानून–व्यवस्था में सुधार पर ध्यान देने और चुनी हुई सरकार को अपना काम करने देने का अनुरोध किया। नए साल पर तड़के कंझावला में 20 वर्षीय युवती की स्कूटी को एक कार ने टक्कर मार दी थी और युवती को सुल्तानपुरी से कंझावाला तक करीब 12 किलोमीटर घसीटते हुई ले गई थी। हादसे में युवती की मौत हो गई थी। उपराज्यपाल को लिखे पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सक्सेना को शहर की कानून–व्यवस्था की स्थिति में सुधार के बजाय निर्वाचित सरकार के कार्यों में हस्तक्षेप करते देखा जा रहा है। केजरीवाल ने दावा किया कि निर्वाचित सरकार के रोजमर्रा के कार्यों में उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से जनता में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने तब अपमानित महसूस किया, जब सक्सेना ने हाल ही में मुख्यमंत्री और राजनिवास में उनसे मिलने गए आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों से मिलने से इनकार कर दिया।

झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री एनोस एक्का और उनकी पत्नी की सजा बरकरार रखी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में सजायाफ्ता झारखंड के पूर्व मंत्री एनोस एक्का और उनकी पत्नी मेनन एक्का को निचली अदालत से दी गई सजा बरकरार रखी है। इसके अलावा हाईकोर्ट ने मनीलॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी कोर्ट द्वारा एनोस एक्का को सुनाई गई सजा को भी बरकरार रखने का आदेश दिया है। एक्का दंपति ने निचली अदालतों के फैसलों के खिलाफ अपील की थी, जिन्हें खारिज कर दिया गया है। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने शुक्रवार को एक्का दंपति की याचिकाओं पर फैसला सुनाया। गौरतलब है कि 25 फरवरी 2020 को सीबीआई के विशेष जज एके मिश्रा की अदालत ने आय से अधिक संपत्ति में एनोस एक्का और उनकी पत्नी मेनन को 7 साल की सजा सुनाई थी। दोनों फिलहाल जेल में हैं। इसी तरह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी कोर्ट ने अप्रैल 2020 में एनोस एक्का को सात साल की सजा सुनाई थी और उनपर दो करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया था। पूर्व मंत्री एनोस पर 20 करोड़ 31 लाख 77 हजार रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप था।

नड्डा ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर सीएम योगी के साथ ली चाय की चुस्की

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिवसीय यूपी दौरे पर हैं। वो गुरुवार रात वाराणसी पहुंचे। उनके साथ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। शुक्रवार को उन्होंने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। इससे पहले काल भैरव के दर्शन पूजन के बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी ने एक साथ चाय की चुस्की ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। इसी क्रम में नड्डा और सीएम योगी गाजीपुर में चुनाव का शंखनाद कर सकते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्रवार को श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में मत्था टेकने के बाद पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचे और हेलीकाप्टर से गाजीपुर के लिए रवाना हुए। यहां वे पवहारी बाबा आश्रम में दर्शन–पूजन के बाद वहां आयोजित बूथ समिति की बैठक में भाग लेंगे। दोपहर में गाजीपुर के बंसी बाजार स्थित नंद रेजीडेंसी में पूर्व सैनिकों संग संवाद करेंगे, उन्हें सम्मानित भी करेंगे। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष दोपहर 1.30 बजे आइटीआई मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसे मिशन 2024 की तैयारी

बताया जा रहा है। ज्ञात हो कि गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, लालंगज समेत पूर्वांचल की 14 सीटें अभी भाजपा के पाले में नहीं है। लोकसभा उपचुनाव में आजमगढ़ की सीट भले हाथ आ गई पर सामान्य चुनाव में यह राह आसान नहीं दिखती। गाजीपुर जिले में सैनिकों के सर्वाधिक परिवार हैं। जेपी नड्डा और सीएम योगी के 20 जनवरी यानि आज गाजीपुर के पवहारी बाबा आश्रम में दर्शन पूजन एवं आईटीआई मैदान में जनसभा का कार्यक्रम निर्धारित है। गुरुवार को एडीजी राजकुमार, आईजी के सत्यनरायण, जिलाधिकारी आर्यका अखौरी और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एडिशनल, सीओ, पीएसी और पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

जोशीमठ: बर्फबारी के चलते रुका ध्वस्तीकरण का कार्य

जोशीमठ। पहाड़ों से लेकर मैदान तक एक बार फिर मौसम बदल गया है। पहाड़ों पर जहां बर्फबारी हो रही है, वहीं मैदानों में बारिश का दौर शुरू हो गया है। जोशीमठ में बर्फवारी ने मुश्किलें और बढ़ा दी है। जोशीमठ में भारी बर्फबारी के कारण धवस्तीकरण का काम रोक दिया गया है। काम बंद होने के चलते होटल माउंट व्यू व मलारी इन के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग खोल दिए गए हैं। बर्फबारी के चलते यहां लोगों का सामान अभी तक शिफ्ट नहीं हो पाया है। प्रभावितों के बाहर पड़े समान में बर्फ जम गई है। वहीं प्रभावित अपने घरों को खाली कर राहत शिविर में रहने को मजबूर हैं। चमोली जिले में एक दर्जन से अधिक गांव बर्फ से ढके हैं। बारिश और बर्फबारी से कड़ाके की ठंड पड़ रही हैं। गुरुवार देर शाम से जिले में बारिश–बर्फबारी का दौर जारी है। चमोली डीएम हिमांशु खुराना ने बताया कि मजदूर काम नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए जोशीमठ में चल रहा तोड़ फोड़ का काम बंद कर दिया गया है। स्थिति में सुधार होने पर काम फिर से

शुरू होगा। बर्फबारी से मंडल–चोपता हाईवे और घाट–रामणी मोटर मार्ग बंद हो गया है। शुक्रवार को जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब के साथ ही फूलों की घाटी, औली, गौरसों बुग्याल, रूद्रनाथ, लाल माटी, जोशीमठ नगर, सुतोल, कनोल, डुमक, कलगोठ, उर्गम, भेंटी, सुराईथोटा, भल्लागांव, पाणा, ईराणी, झींझी आदि गांवों में तड़के से बर्फबारी हो रही है। बदरीनाथ धाम में करीब दो और हेमकुंड साहिब में तीन फीट तक बर्फ जम गई है। जोशीमठ और घिंघराण क्षेत्र में साल की पहली बर्फबारी हुई है। जिससे यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जोशीमठ में प्रशासन की ओर से जगह–जगह अलाव की व्यवस्था की गई है। भू–धंसाव से प्रभावित जोशीमठ में असुरक्षित घोषित हो चुके ऐसे 21 भवन तोड़े जाएंगे। इनमें दो होटल, लोनिवि का गेस्ट हाउस, तीन आवासीय भवन और जेपी कॉलोनी के 15 घर शामिल हैं। जेपी कॉलोनी के घर कॉलोनी के लोग खुद तोड़ेंगे। प्रशासन ने इसकी इजाजत दे दी है।

घोटालों के खिलाफ निष्क्रियता के लिए पायलट ने अपनी सरकार पर किया हमला

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अशोक गहलोत सरकार पर हमले जारी रखते हुए सवाल उठाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। पायलट गुरुवार को पाली में किसान सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार बने चार साल हो गए हैं, हम वसुंधरा राजे के घोटालों पर कार्रवाई क्यों नहीं करते, जिसकी हमने बात की थी और जिसके सबूत हैं? केंद्र सरकार गांधी परिवार को बेवजह परेशान कर रही है और राजस्थान में हमारी सरकार भाजपा शासन के दौरान सामने आए घोटालों पर कार्रवाई क्यों नहीं करती है? पायलट ने कहा, 5 साल की कड़ी मेहनत के बाद सरकार बनी। उन पांच सालों में राजस्थान में वसुंधरा की सरकार थी, हमने वसुंधरा सरकार को चुनौती दी थी कि हम आपके भ्रष्टाचार और काले कामों का पर्दाफाश करेंगे। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आप सभी को पता है कि

भाजपा के शासन में जमीन और शराब के घोटाले हुए थे। कई देश छोड़कर भाग गए। ललित मोदी जी विदेश में बैठे हैं। जिन लोगों के साथ उनका नाम जुड़ा है, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। पायलट ने कहा, कांग्रेस सरकार भले ही दोहराए, लेकिन अगर भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, जिनका पदार्फाश कर हमने राजस्थान में सरकार बनाई है, तो जनता हम पर विश्वास नहीं करेगी। मैं दुश्मनी की बात नहीं करता। लेकिन हमने जो आरोप लगाए हैं, उन पर कार्रवाई करें, जिनके सबूत हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, केंद्र में बैठी सरकार हमारे नेताओं पर झूठे आरोप लगाती है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर केस किया गया और उनकी आय पर भी सवाल उठाया गया। गांधी परिवार को पूछताछ के लिए बुलाया जाता है। देश के लिए बलिदान देने वाले परिवार की सुरक्षा वापस ले ली जाती है। उन्होंने कहा, राजस्थान में हमारी सरकार है, हम भ्रष्टाचार में शामिल भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते। मैं बदले की भावना से काम नहीं करना चाहता, लेकिन जो लोग भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेह हैं, उन्हें पकड़ना होगा। पेपर लीक से जुड़े मुद्दों को लेकर पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर रहे हैं और उन्होंने राजस्थान में ठंड के कारण फसलों को हुए नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा देने की मांग की है।

दिल्ली मेट्रो पर बढ़ रहे आत्महत्या के मामले, घटनाओं को रोकना डीएमआरसी के लिए चुनौती

नई दिल्ली। मेट्रो के आगे कूदकर आत्महत्या करने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। बुधवार के दिन मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पर एक शख्स ने मेट्रो के आगे कूदकर जान दे दी। आत्महत्या करने की इस तरह की घटनाएं मेट्रो स्टेशन पर लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। इसको लेकर एक सवालिया निशान खड़ा हो गया है कि दिल्ली मेट्रो एक सुसाइड प्वॉइंट भी बनता जा रहा है। जबकि डीएमआरसी प्रशासन और सुरक्षाकर्मी भी इस तरह की घटनाएं ना हो उसके लिए भरपूर प्रयास करते हैं व मुस्तैद रहते हैं। डीएमआरसी प्रशासन की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है कि सुरक्षाकर्मियों की तरफ से सभी मेट्रो स्टेशन पर ऐसे लोगों पर नजर रखी जाती है, जो असामान्य नजर आते हैं। मेट्रो पर तैनात सुरक्षाकर्मी पूरी कोशिश करते है कि कोई अप्रिय घटना ना हो। आपको बता दें कि दिल्ली के मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पर बुधवार दोपहर 2:30 बजे के करीब मेट्रो ट्रेन

के आगे कूद कर एक शख्स ने आत्महत्या कर ली थी। मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन ब्लू लाइन से कश्मीरी गेट की तरफ जाने वाली वॉयलेट मेट्रो लाइन पर बिहार के रहने वाले एक शख्स शख्स ने छलांग मार दी। अब ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि डीएमआरसी प्रशासन की ओर से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कुछ इंतजाम है। डीएमआरसी प्रशासन का कहना है कि आत्महत्या जैसी घटनाएं बहुत दुखद है। आत्महत्या जैसी घटनाएं मेट्रो स्टेशन पर ना हो, इसके लिए डीएमआरसी प्रशासन भी मुस्तैद रहता है। सुरक्षाकर्मियों की नजर ऐसे संदिग्ध लोगों पर रहती है। जिनका व्यवहार सामान्य लोगों से कुछ अलग होता है और कंट्रोल रूम से भी सीसीटीवी कैमरे के जरिए ऐसे लोगों पर नजर रखी जाती है। फिर भी अगर अचानक से यात्री रेलवे ट्रैक के आगे कूद जाता है, तो ऐसी स्थिति बहुत खतरनाक हो जाती है। फिर भी सुरक्षाकर्मी और डीएमआरसी प्रशासन हर संभव कोशिश करते हैं कि इस तरह की घटनाएं मेट्रो स्टेशन पर या कहीं भी ना हो। कुछ ही दिन पहले वैशाली में सीआईएसफ जवानों की मुस्तैदी की वजह से एक व्यक्ति को आत्महत्या करने से रोका गया था। और भी बहुत ऐसे उदाहरण है जिसमें समय रहते सुरक्षा कर्मियों ने अप्रिय घटनाओ को होने से बचाया है। इसके अलावा प्लेटफार्म पर बने येलो लाइन से पहले यात्रियों को खड़ा रहने की विशेष हिदायत दी जाती है। लेकिन कम समय में किसी व्यक्ति द्वारा खुद को मेट्रो ट्रेन के सामने अगर ला दिया जाता है, तो इस प्रकार की स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण बन जाती है।

सर्दी के मौसम की बारिश के बीच जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से आगे बढ़ी राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा

कठुआ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सर्दी के मौसम की बारिश के बीच शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले में हटली मोड़ से पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्राश फिर शुरू की, जिसमें शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के संजय राउत सहित कई बड़े नेता शामिल हुए। इस दौरान, राहुल सफेद टी–शर्ट पर काले रंग की बरसाती (रेनकोट) पहने नजर आए। यात्रा सुबह 7 बजे आरंभ होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण यह एक घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुई। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से सात सितंबर को शुरू हुई 'भारत जोड़ो यात्राश 30 जनवरी को श्रीनगर में संपन्न होगी, जहां राहुल जम्मू–कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। 'भारत जोड़ो यात्राश के अंतिम चरण में राहुल के साथ पार्टी की जम्मू–कश्मीर इकाई के अध्यक्ष विकार रसूल वानी और उनके पूर्ववर्ती जीए मीर सहित कई कांग्रेस नेता नजर आए। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के संजय राउत ने कहा, 'मैं अपनी पार्टी की ओर से यात्रा में शामिल होने आया हूं। देश में माहौल तेजी से बदल रहा है और मैं राहुल को वास्तविक मुद्दों पर आवाज उठाने वाले नेता के रूप में देख रहा हूं।श उन्होंने कहा, 'जिस तरह से लोग इस यात्रा से जुड़ रहे हैं, यह दिल को छू लेने वाला है। वह एक नेता हैं और इसलिए वह सड़कों पर हैं। जनता फैसला करेगी (उनका नेता कौन होगा)।श यात्रा ने बृहस्पतिवार को लखनपुर से जम्मू–कश्मीर में प्रवेश किया और झंडा सौंपने के समारोह के बाद वहीं रात्रि विश्राम किया। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बृहस्पतिवार को राहुल की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू–कश्मीर में दाखिल होने पर उसका स्वागत किया था। जम्मू–कश्मीर के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह से ही बारिश हो रही है। हालांकि, राहुल ने अपने समर्थकों के साथ देरी से ही सही, लेकिन यात्रा शुरू की। यात्रा के लिए पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की तैनाती के साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। यात्रा शुरू होने से कुछ घंटे पहले कांग्रेस के कई कार्यकर्ता और समर्थक तिरंगा लेकर कठुआ पहुंचे। शुक्रवार को यात्रा के तहत 25 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। 'भारत यात्री रात में कठुआ जिले के चडवाल में विश्राम करेंगे। शनिवार को भी 'भारत यात्री विश्राम करेंगे।

मध्यप्रदेश के मंत्री की चेतावनी कांग्रेस के पदाधिकारी भाजपा में शामिल हों वरना मुख्यमंत्री का बुलडोजर तैयार है

गुना। मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के एक मंत्री ने कथित तौर पर राज्य में कांग्रेस के पदाधिकारियों को सत्तारुढ़ भाजपा में शामिल होने या फिर मुख्यमंत्री के बुलडोजर द्वारा विध्वंस के खतरे का सामना करने के लिए कहकर विवाद छेड़ दिया है। मध्य प्रदेश के पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें वह बुधवार को जिले की रुठियाई कस्बे में एक जनसभा में टिप्पणी करते सुने जा सकते हैं। मध्य प्रदेश में 'मामा के उपनाम से लोकप्रिय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी सरकार में अपराध और अपराधियों के प्रति 'बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई है जिसके तहत प्रशासन विभिन्न अपराधों के आरोपियों के मकानों के कथित अवैध निर्माण को बुल्डोजर से गिरा देता है। जिले के राघौगढ़ नगर निकाय के 20 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार करते हुए सिसोदिया ने कथित तौर पर एक सभा में बुधवार को कहा, ''और देखो भईया, जो भी कांग्रेसी लोग हों, वो धीरे–धीरे कर के चुपचाप सरक (खिसक) आओ, नहीं तो 2023 में भी भाजपा की सरकार बन रही है। फिर देख लेना, मामा का बुलडोजर खड़ा ही है तैयार।' कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सिसोदिया की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए ट्वीट किया, ''राघौगढ़ के लोग कायर नहीं हैं जो गीदड़ भपकी से डर जाएं। यह डर और कोई को दिखाना। राघौगढ़ के मतदाता निडर होकर मतदान करेंगे। राघौगढ़ के कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि मंत्री की टिप्पणी उनकी ''नकारात्मक मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''चूंकि भाजपा के पास विकास के मामले में उजागर करने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए इसके नेता इस तरह की टिप्पणियां करते हैं।

सम्पादकीय

घाटे का सौदा

यह विडंबना ही है कि लगातार भारत विरोधी गतिविधियों और सैन्य टकराव के बीच चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2022 में रिकॉर्ड 135.98 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। चिंता की बात यह है कि पिछले साल के मुकाबले हमारा आयात 97.5 बिलियन डॉलर से 21 फीसदी बढ़कर 118.5 बिलियन डॉलर हो गया है। विडंबना की बात यह भी है कि वहीं दूसरी ओर हमारा निर्यात 2021 के मुकाबले 28 बिलियन डॉलर से घटकर 17.48 बिलियन रह गया। चिंता की बात यह है कि हमारा व्यापार घाटा पहली बार सौ अरब डॉलर पार कर गया है। यह घाटा पिछले साल 69.4 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था। दरअसल यह स्थिति भारत में मांग के स्तर पर सुधार, कच्चे माल की बढ़ती जरूरत व चिकित्सा से जुड़ी सामग्री की आपूर्ति बढ़ने से पैदा हुई है। निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है कि भारतीय सीमाओं व तमाम अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की खिलाफत करने वाले चीन पर हमारी निर्भरता बढ़ रही है। यह स्थिति तब है जब लंबे समय तक सीमाओं पर दोनों देशों के बीच टकराव की स्थिति बनी रही है। ऐसे में उन कारकों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है जो इस एकतरफा व्यापार विसंगति का मुख्य कारण हैं। दरअसल, चीन को होने वाले प्राथमिक निर्यात में लौह अयस्क, तांबा, एल्यूमीनियम और रत्न शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर चीन से आयात होने वाले सामान में मशीनरी, दूरसंचार उपकरण व इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान शामिल हैं। वहीं व्यापार घाटा बढ़ने की एक वजह यह भी है कि चीन भारतीय फार्मास्यूटिकल्स व आईटी सॉफ्टवेयर के लिये बाजार सहज उपलब्ध नहीं कराता। वैसे तो इसे सकारात्मक पहलू ही माना जाना चाहिए कि भारत चीन से कच्ची सामग्री और मध्यवर्ती वस्तुओं का आयात करता है, जो हमारी अर्थव्यवस्था की जीवंतता को ही दर्शाता है। जिससे निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि हमारी अर्थव्यवस्था सही दिशा में बढ़ रही है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि सरकार आयात कम करने तथा निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयासों को गति दे रही है। इस दिशा में कारगर विकल्प तलाशकर हमें आत्मनिर्भरता की तरफ कदम उठाने चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि हमारा व्यापार घाटा बढ़ने में वैश्विक परिस्थितियां भी जिम्मेदार हैं। खासकर रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। वैसे भी करीब दो साल के कोरोना संकट से भी स्थितियां विकट हुई हैं। जो अभी अपनी पूर्व स्थिति पर नहीं लौट सकी हैं। बहरहाल, भारत को चीन का एक विश्वसनीय विकल्प तलाशना चाहिए। भारत ने कई देशों से मुक्त व्यापार समझौते के जरिये समाधान निकालने का प्रयास भी किया है। इस दिशा में अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है। हालांकि, मौजूदा हालात और आंकड़े बताते हैं कि चीन से अलग होकर विकल्प तलाशने की बात करना तो आसान है, मगर इसे हकीकत में जल्दी बदल पाना आसान नहीं होगा। इस तरह का विकल्प हम वियतनाम आदि देशों में तलाश सकते हैं। लेकिन इससे जुड़ी कुछ व्यावहारिक दिक्कतें भी हैं।

मध्य प्रदेश में ब्रांड बने शिवराज

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का चौथा कार्यकाल पिछली तीन पारियों जैसा नहीं था। चौथी बार मुख्यमंत्री पद का ताज पहनना कांटों का ताज माना जा रहा था। लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने एक अस्थाई मानी जाने वाली सरकार को स्थाई सरकार में बदल डाला, बल्कि राज्य को विकास के पथ पर सरपट दौड़ाया। उन्होंने राज्य के किसानों से लेकर युवा और आदिवासी समुदाय को भी पूरी तरह साध कर रखा। राजनीतिक क्षेत्रों में यह स्वीकार किया जा रहा है कि मध्य प्रदेश में वे 'ब्रांड शिवराज' बन गए हैं। जिन्हें आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही में मध्य प्रदेश के शहर इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और निवेशक सम्मेलन के बाद जी–20 के तहत थिंक–20 समूह के सफल सम्मेलन से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रतिष्ठा में चार चांद लग गए। प्रवासी भारतीय सम्मेलन और निवेशक सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन से और दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों की मौजूदगी में राज्य के लोगों में नई ऊर्जा का संचार कर दिया। इस सम्मेलन में अलग–अलग क्षेत्रों के उद्यमियों ने राज्य में कुल 15 लाख 42 हजार 550 करोड़ के निवेश का इरादा जताया, जो कि पिछले सम्मेलन से कहीं ज्यादा है। कोई समय था जब उद्योगपति मध्य प्रदेश में निवेश करने में कोई रुचि नहीं रखते थे। लेकिन अब उन्हें राज्य में निवेश करना हर दृष्टि से फायदे का सौदा लग रहा है। बिजली के मामले में मध्य प्रदेश सरप्लस स्टेट है। राजमार्गों और सड़कों का निर्माण विश्वस्तरीय है और सबसे बड़ी बात यह है कि शिवराज सरकार अपनी चार पारियों में उद्योगों के लिए सरकारी प्रक्रिया को सरल बनाया है। इससे मध्य प्रदेश निवेशकों के लिए आकर्षक गन्तव्य स्थल बन चुका है। एक के बाद एक सफल आयोजनों के बाद खेलो इंडिया भी भोपाल में शुरू होने वाला है। उज्जैन में महाकाल लोक के दूसरे चरण का काम तेजी से चल रहा है और ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य की विशाल प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा भी होने जा रही है। शिवराज सिंह चौहान सुशासन, स्थायित्व के साथ–साथ हिन्दुत्व की राह पर चलते नजर आए लेकिन जनता के लिए कल्याणकारी योजनाओं को भी द्रुतगति से जारी रखा। मध्य प्रदेश में लव जिहाद की घटनाएं सीमित हैं। इसके बावजूद उन्होंने इसके खिलाफ सख्त कानून बनाए। श्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं अध्ययनशील, मननशील और कर्मशील होने की वजह से अपने संकल्प आसानी से साकार कर लेते हैं। वे जो सोचते हैं, उसे पूर्ण करने के लिए उन्हें बस इतने ही प्रयत्न करने होते हैं कि कार्य की शुरुआत से कार्य के पूर्ण होने के मध्य निरंतर अनुश्रवण का कार्य करना होता है। उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए उन्होंने वर्ष 2005 में मुख्यमंत्री बनते ही प्रयत्न प्रारम्भ किये। मध्य प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों के विकास की व्यापक सम्भावनाओं को साकार करने के लिए उद्योगपतियों से सतत सम्पर्क आवश्यक था। इसके लिए की गई इन्वेस्टर्स समिट्स बहुत लाभकारी सिद्ध हुई। मध्य प्रदेश में न सिर्फ नया निवेश आया बल्कि लाखों नौजवानों को रोजगार भी मिला। प्रदेश की प्रतिभा का पलायन भी रुका। उद्योगों के विकास से सम्पूर्ण अधोसंरचना के विकास का कार्य आसान हुआ और प्रदेश की तस्वीर को बदलने में सफलता मिली। मुख्यमंत्री के रूप में श्री चौहान के विभिन्न कार्यकालों पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि प्रथम कार्यकाल उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, विद्यार्थियों को विद्यालय जाने के लिए साइकिल प्रदाय जैसे कल्याणकारी कार्य प्रारम्भ किए। बुनियादी क्षेत्रों में सुविधाएं बढ़ाने की ठोस पहल की गई। श्री चौहान का मुख्यमंत्री पद का पहला कार्यकाल तीन वर्ष का था। द्वितीय और तृतीय कार्यकाल पांच–पांच वर्ष के रहे। इन दस वर्षों में मध्य प्रदेश ने विकास के नए आयाम छुए। मुख्यमंत्री पद की चौथी पारी खेलते हुए शिवराज सरकार ने किसानों के लिए अनेक योजनाएं शुरू कीं। प्रदेश को सरकारी नौकरियों में केवल राज्य के युवाओं के लिए 100 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की। सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती की गई। वहीं शिवराज सरकार आदिवासी समुदाय के बीच दुबारा अपनी जड़े जमाने के लिए हर सम्भव कदम उठाती नजर आई। साहूकारों के कर्ज से आदिवासी समुदाय को मुक्ति दिलाने के लिए कानून बनाने के साथ–साथ उनका 15 अगस्त, 2020 के पहले का कर्ज माफ कर दिया। शिवराज चौहान किसी सफल क्रिकेटर की तरह चौके और छक्के लगा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी सुगबुगाहट होती रहती है कि शायद चुनावों से पहले कुछ हलचल हो लेकिन इस बात को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि उनके हर कार्यकाल में मध्य प्रदेश को विकास का नया आयाम मिला है। मुख्यमंत्री की विशेषता यह है कि वह जो भी काम करते हैं वह बड़ी मेहनत से करते हैं। वह राजनीति में कला कौशल सम्पन्न व्यक्तित्व माने जाते हैं। वह कुछ ऊंच–नीच हुआ हो तो उसे भी विनम्रता से स्वीकार करने में हिचकते नहीं हैं। महिलाओं और बच्चों में मामा जी के नाम से लोकप्रिय शिवराज सिंह चौहान एक बड़ा ब्रांड बन चुके हैं। यही उनकी राजनीतिक पूंजी है। सियासत की महफिल हो या कारपोरेट सैक्टर का जमावड़ा, हर जगह कुछ अलग अंदाज में नजर आए, लेकिन उनमें साफगोई नजर आती है। ''शिवराज तो शिवराज है, जो उन्हें भाता है,वही जुबां पर आ जाता है।'' मुख्यमंत्री 5 फरवरी से विकास यात्रा की शुरूआत कर राज्य में इस वर्ष होने वाले चुनावों का शंखनाद करने वाले हैं।**–आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :–कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :–परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

पश्चिम जीवन शैली भारतीय वैदिक दर्शन के लिए नुकसानदेह

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था। धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे–धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे–धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था। पश्चिमी संस्कृति का वशहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकर्ताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकर्ताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता

के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरुआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन–सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे–धीरे भारतीय रहन–सहन रीति–रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग–अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी। विहंगम दृष्टिकोण से देखा जाए तो पाश्चात्य दर्शन ने भारतीय परंपरा रीति रिवाज में महत्वपूर्ण सुधार लाने की एक नई पहल की थी। प्राचीन परंपराओं के फल स्वरुप भारतीय जनमानस को रीति–रिवाजों एवं पाखंडी पन ने जीवन में जंजीर बनकर जकड़ रखा था। संस्कृति तथा कुप्रथाओं ने स्वतंत्र विचारों को मस्तिष्क में ही कैद कर लिया था ।एवं आमजन का जीना मुश्किल हो गया था। प्रभाव तथा कुरीतियों से सबसे ज्यादा सजा महिलाएं बालिकाएं तथा बच्चों को ही मिल रही थी। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन ने शिक्षा धर्म तथा आदर्शों के मूल्यों में सुधार लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। पाश्चात्य शिक्षा से अंधविश्वास के बदले बुद्धि विवेक और तर्क ने वैज्ञानिक विचारधारा के हिसाब से जीवन यापन करने की पद्धति से अवगत कराया था। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन के कारण ही भारत में ईसाई धर्म समाज की स्थापना हो पाई थी। ईसाइयत का भारत में जन्म अंग्रेजों के आने के बाद ही हुआ था। पाश्चात्य सभ्यता एवं शिक्षा से भारतीय महिलाओं पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। उनकी शिक्षा–दीक्षा रहन सहन तथा व्यवहार में काफी परिवर्तन आया तथा भारतीय महिलाओं ने खुली हवा में सांस लेने के अवसर भी तलाशना शुरू कर दिया था। और आज भारत में महिलाएं कंधो से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य सभ्यता का बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ा ।जीवन में विकास भी हुआ, और नागरिकों को नए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी साक्षात्कार हुआ। पर इसके साथ पाचल सभ्यता ने भारत को बहुत सारी विकृतियां भी प्रदान की है। जैसे स्त्रियों का खुलापन, नशे की खुली लत एवं महिलाओं तथा पुरुषों का वासनायुक्त खुला व्यवहार, अशोभनीय स्तर पर आ गया है। नशे की अधिकता,महिलाओं के खुले व्यवहार को देखकर आने वाली पीढ़ी की नैतिक शिक्षा में बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ने वाला है। इसमें भारतीय शिक्षा पद्धति में भारतीय संस्कृति के दर्शन के अध्यापन की भी महती आवश्यकता है।**–संजीव ठाकुर**

जेसिंडा अर्डर्न का एक और कमाल

भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए शिक्षा पर दोगुना ध्यान देने की जरूरत क्योंकेपी शशिरू अद्भुत रचनात्मक अभिव्यक्ति, बेजोड़ प्रतिबद्धता शायर इरतिजा निशात ने फरमाया है कि –कुर्सी है तुम्हारा ये जनाजा तो नहीं है,कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते। सत्ता के मोह में कुर्सी से चिपके नेताओं के लिए यह बात कही गई है। हालांकि ऐसे नेताओं की चमड़ी इतनी मोटी होती है कि उन्हें न ऐसी पंक्तियों से कोई फर्क पड़ता है, न अपनी नाकाबिलियत पर उन्हें कोई शर्मिंदगी महसूस होती है, न जनता की तकलीफों से उनका कोई वास्ता रहता है। उनके लिए सत्ता सबसे बड़ा सच होती है और कुर्सी का साथ आजीवन बना रहे, इसके लिए अगर उन्हें विचारधारा से समझौता कर दल बदलना पड़े, धुर विरोधी पार्टी में शामिल होना पड़े, तो वे सहर्ष ऐसा कर लेते हैं। पिछले कुछ बरसों में भारत में न जाने कितने ऐसे दलबदलु और सत्तालोभी नेता देखे गए। दूसरे देशों में भी हाल कुछ अलग नहीं है। अमेरिका में हार के बाद जिस तरह डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावों को गलत ठहराते हुए सत्ता में लौटने की कोशिश की या हाल ही में ब्राजील में लूला डि सिल्वा की सरकार के खिलाफ पिछले राष्ट्रपति बोलसोनारो के समर्थकों ने जो उपद्रव किया, वह सत्तालोभ का ही उदाहरण है। हालांकि भारत में सोनिया गांधी जैसी नेता भी हैं, जिन्होंने लाभ के पद का मामला उठने पर

सांसद पद से इस्तीफा देने में देर नहीं की। यूपीए के बहुमत में आने के बाद भी उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया। उनसे पहले ज्योति बसु ने भी प्रधानमंत्री पद ठुकरा कर ऐसी मिसाल पेश की थी। हाल में दिवंगत समाजवादी नेता शरद यादव ने लोकसभा कार्यकाल को छह साल करने के इंदिरा गांधी के फैसले के खिलाफ कदम उठाते हुए संसद सदस्यता छोड़ दी थी, उस वक्त मधु लिमये ने भी अपनी संसद सदस्यता त्यागी थी, क्योंकि जनता ने इन्हें पांच साल का जनादेश दिया था। खेद की बात है कि सत्ता का मोह न पालने वाले ऐसे नेताओं के उदाहरण इतने कम हैं कि उंगलियों पर गिने जा सकें। जबकि जीवन के आखिरी पड़ाव पर आकर भी किसी पद की लालसा लगाए लोगों की कमी नहीं है। सत्ता के शीर्ष पर रहकर पद से विमुख होने के चंद अनूठे उदाहरणों में अब एक नाम और जुड़ जाएगा। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने ऐलान किया है कि वे सात फरवरी तक लेबर पार्टी की नेता के पद से इस्तीफा दे देंगी, जिसके बाद आने वाले दिनों में उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए वोटिंग होगी। उन्होंने कहा कि छह साल तक इस चुनौतीपूर्ण पद को संभालने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। इसके बाद अब अगले चार साल में उनके पास योगदान देने के लिए कुछ खास नहीं बचा है।इसलिए अब वो अगला चुनाव नहीं लड़ेंगी। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड में इस साल 14 अक्टूबर को आम चुनाव होने हैं। 2020 में हुए चुनाव में जेसिंडा अर्डर्न के नेतृत्व में लेबर पार्टी को भारी बहुमत से जीत मिली थी, लेकिन हाल के महीनों में देश के भीतर उनकी लोकप्रियता घटी है। सुश्री अर्डर्न का कहना है कि लेबर पार्टी की हार की आशंकाओं के कारण वो इस्तीफा नहीं दे रही हैं, बल्कि इसलिए दे रही हैं ताकि लेबर पार्टी जीत सके। एक ऐसा मजबूत नेतृत्व हमें चाहिए जो चुनौती ले सके। बड़ी स्पष्टता के साथ जेसिंडा अर्डर्न ने यह स्वीकार कर लिया कि जो चुनौतियां अभी उनकी सरकार के सामने पेश हो रही हैं, उनका सामना करने में वे कहीं न कहीं कमजोर पड़ रही हैं। अमूमन सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग अपनी नाकामी का ठीकरा दूसरों के सिर फोड़ते हैं और जवाबदेही से बच जाते हैं। लेकिन न्यूजीलैंड की मौजूदा प्रधानमंत्री ने बड़ी साफगोई के साथ अपनी क्षमताओं और सीमाओं को स्वीकारा है। और ऐसा नहीं है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी बड़ी चुनौती का सामना नहीं किया। ये जेसिंडा अर्डर्न का ही नेतश्त्व था, जिसमें न्यूजीलैंड कोरोना जैसी महामारी में बिना किसी खास नुकसान के निकल आया। जब अमेरिका और ब्रिटेन जैसे शक्तिशाली देशों में त्राहि–त्राहि हो रही थी, तब न्यूजीलैंड में जनजीवन सामान्य था। इसी तरह आतंकवाद की चुनौती का सामना जेसिंडा अर्डर्न ने क्राइस्ट चर्च मस्जिद में हुई गोलीबारी के वक्त किया। पीड़ितों को गले लगाकर ये संदेश उन्होंने दिया कि वे हर तरह के चरमपंथ के खिलाफ हैं, चाहे वो किसी भी धर्म की आड़ में फैलाया जाए। जेसिंडा अर्डर्न अपने अब तक राजनैतिक करियर में कई वजह से सुर्खियों में आईं। जैसे 2017 में जब वे पहली बार प्रधानमंत्री बनीं तो उनकी उम्र महज 37 साल थी और उस वक्त वे दुनिया की सबसे कम उम्र की राष्ट्रप्रमुख थीं। जून 2018 में उन्होंने अपनी संतान को जन्म दिया और इस तरह वे बेनजीर भुट्टो के बाद दुनिया की दूसरी प्रधानमंत्री बनीं, जिन्होंने पद पर रहते हुए मां बनने का गौरव हासिल किया। उस वक्त उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था, मैं काम करने वाली और मां बनने वाली पहली महिला नहीं हूं। कई महिलाओं ने पहले भी ऐसा किया है। यानी उन्होंने प्रधानमंत्री पद के दायित्व को भी बाकी कामों की तरह ही माना और खुद को एक कामकाजी महिला समझा। समानता का यह संदेश आज की राजनीति में दुर्लभ है।अपने पद से इस्तीफे की घोषणा करते हुए जेसिंडा अर्डर्न ने कहा कि मैं इस उम्मीद और विश्वास के साथ देश का नेतश्त्व छोड़ रही हूं कि देश का नेता ऐसा हो जो नेकदिल होने के साथ मजबूत हो, संवेदनशील होने के साथ फैसले लेनेवाला हो, आशावादी हो और देश का काम एकाग्रता से करे और अपनी शख्सियत की छाप छोड़े– और जिसे ये पता हो कि कब नेतश्त्व छोड़ देना है। इस आखिरी वाक्य में उन्होंने एक गहरा संदेश दिया है कि नेता को पता होना चाहिए कि कब उसकी उपयोगिता खत्म हो रही है और उसे कुर्सी से उतर जाना चाहिए। जिस तरह कमल के पत्ते अपने ऊपर पानी की बूंदों को ठहरने नहीं देते, ऐसे निर्लिप्त भाव से पद संभालना विरल ही है।

संतुलित बजट की आस

एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने कार्यकाल का 5वां आम बजट पेश करेंगी।यह वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले मोदी सरकार का आखिरी पूर्ण बजट होगा। इसलिए आमजन, बुजुर्ग, कारोबारी और कॉरपोरेट्स सभी बजट में राहत की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि सरकार लोकलुभावन बजट पेश करने से परहेज करेगी क्योंकि विपक्ष कमजोर है। सभी विपक्षी दल साथ मिलकर भी भाजपा को शायद ही आम चुनाव में शिकस्त दे पाएं। भाजपा को यह वस्तुस्थिति मालूम है। इसलिए सरकार चाहेगी कि ऐसा बजट पेश किया जाए, जिससे विकास गति में तेजी बरकरार रहे और आमजन को भी कोई परेशानी नहीं हो।किसानों की अपेक्षा है कि खेती–किसानी को किसानों के अनुकूल बनाया जाए ताकि उनका आर्थिक जीवन आसान बन सके और उनकी अगली पीढ़ी खेती–किसानी करने के लिए प्रेरित हो।महंगाई के लगातार उच्च स्तर पर बने रहने के कारण आम आदमी का जीना मुहाल है। इसलिए वह चाहता है कि महंगाई कम करने के उपाय बजट में किए जाएं। वैसे, खुदरा महंगाई दिसम्बर महीने में कम होकर 1 साल के निचले स्तर 5.72त्न पर पहुंच गई है। विगत वर्षो में इंसान की औसत आयु में इजाफा हुआ है, जिससे सम्मानजनक जीवन जीने की चाहत बढ़ी है। वृद्धजन चाहते हैं कि वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि की जाए, आयकर में राहत मिले। बुजुगरे द्वारा इस्तेमाल करने वाले उत्पादों डायपर, दवाएं, व्हीलचेयर, वॉकर जैसे स्वास्थ्य उपकरणों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत मिले। मेडिक्लेम नीतियां सकारात्मक बनाई जाएं।चिकित्सा परामर्श शुल्क में कमी लाई जाए। यह भी चाहते हैं कि बैंक, डाकघर, अन्य निवेश योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि की जाए। मध्यम वर्ग चाहता है कि आयकर और रोजमर्रा की वस्तुओं पर जीएसटी दर में कटौती की जाए। कारोबारी और कॉरपोरेट कारोबार में लालफीताशाही से निजात और कर में छूट पाना चाहते हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या सरकार सभी की अपेक्षाओं को पूरा करने में समर्थ है? सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए सरकार का खजाना भरा हुआ होना चाहिए। कुछ महीने से जीएसटी संग्रह में लगातार वृद्धि हो रही है।सितम्बर में जीएसटी 1.48 लाख करोड़ रहा जबकि दिसम्बर में यह 1.50 लाख करोड़ रुपये रहा। लगातार दसवां महीना है, जब जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ से अधिक रहा है। सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह नवम्बर तक 8.77 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया जबकि 10 नवम्बर तक कॉरपोरेट सकल कर संग्रह 10.54 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले साल की समान अवधि से 30.69 प्रतिशत अधिक है। एक अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष राजस्व संग्रह के बजटीय लक्ष्य को हासिल कर सकती है, लेकिन विनिवेश लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएगी क्योंकि अब चालू वित्त वर्ष के समाप्त होने में महज 2 महीने बचे हैं, और सरकार को मामले में कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली है।एक अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में सरकार राजकोषीय घाटा को 6.4 प्रतिशत के स्तर पर रखने के लक्ष्य को हासिल कर सकती है और अगले वित्त वर्ष में इसमें 0.50 प्रतिशत की कमी लाने में सफल हो सकती है, क्योंकि चालू वित्त वर्ष में राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय तेजी आई है। बता दें कि राजकोषीय घाटा कुल आय और व्यय का अंतर होता है, और जब सरकार आय से ज्यादा व्यय करती है, तो घाटे को पाटने या उसमें कमी लाने के लिए उसे बाजार से कर्ज लेना पड़ता है।

मण्डलायुक्त ने जी-20 सम्मेलन की तैयारियों का लिया जमीनी जायजा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में आगामी जी–20 सम्मेलन की तैयारियों के दृष्टिगत मंडलायुक्त डॉ.रोशन जैकब ने नगर की साज–सज्जा का जायजा लेने के उद्देश्य से आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जमीनी हकीकत को जाना और मौके पर उपस्थित सम्बन्धित अधिकारियों को तयशुदा वक्त में कार्य पूर्ण कराये जाने के दिशानिर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने बताया कि एलडीए द्वारा जनेश्वर मिश्र पार्क से लगे हुए बंधे वाली सड़क को जी–20 रोड व ग्लोब पार्क को जी–20 पार्क के नाम से नामकरण किया गया। उन्होंने एनएचआई द्वारा कार्य में शिथिलता व विलम्बता होने के कारण एनएचआई के जीएम व पीडी को कड़ी फटकार लगाते हुये कहा कि शहीदपथ की क्षतिग्रस्त रेलिंग की मरम्मत व डेटिंग–पेटिंग को शुक्रवार को ही पूर्ण कराने के लिए क हा। साथ ही उन्होंने मण्डलायुक्त द्वारा बंधा रोड से एयरपोर्ट तक के सभी चौराहों का निरीक्षण किया और सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हार्टी कल्चर के कार्यों में तेजी लायें।

एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक चौराहों व रोड की रेलिंग की डेटिंग–पेंटिंग पूरे संसाधन व मैन पावर की बढ़ोत्तरी करते हुए 24 घण्टे कार्य करते हुये पाया जाये। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा आकस्मिक निरीक्षण करने के दौरान कार्य करते हुए पाया जाये अन्यथा सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई की जायेगी। इस दौरान मण्डलायुक्त ने कहा कि जी–20 सम्मेलन के लिए कराये जा रहे कार्यों को सम्बन्धित अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर कार्य को अंजाम दे। उन्होंने कहा कि कार्य होते हुए दिखायी दे रहा है,लेकिन महत्वपूर्ण है कि कार्य ससमय पूर्ण करा लिया जाये। सड़क के किनारों के पेड़ों की कटाई–छटाई व पेड़ों की धुलाई, ग्रीन एरिया में पानी का छिड़काव कराते रहे। अंसल गोल्फ सिटी के चौराहे पर लाइटिंग,रोटरी,साज–सज्जा का कार्य कराने के निर्देश दिये। मौके पर अंसल रोड का कार्य होते हुए पाया गया जिसकी गुणवत्ता मण्डलायुक्त द्वारा जांची गई। इसके बाद मण्डलायुक्त ने एयरपोर्ट तिराहा कानपुर रोड पर रखे बोलार्ड को तत्काल पेटिंग व साइनेज बोर्ड लगाये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। एयरपोर्ट चौराहे पर लगे अनावश्यक पोल, होर्डिंग व जंग लगे बोर्डों को हटाये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट कैम्पस स्थित पार्क की ग्रीनिंग का कार्य तेजी व ससमय पूर्ण करा लिया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, उपाध्यक्ष लखनऊ विकास प्राधिकरण डा.इन्द्रमणि त्रिपाठी,नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी भी मौजूद रहे।

रहीमाबाद में ओवरटेक के चलते कंटेनर ट्रक आपस में भिड़े

मलिहाबाद,लखनऊ। लखनऊ हरदोई हाईवे पर गुरुवार देर रात कंटेनर ट्रक में आमने सामने भिड़ंत हो गई जिसके चलते दोनों चालकों को मामूली चोटें आई हैं। इलाज के बाद घायलों को छुट्टी दे दी गई है पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।रहीमाबाद थाना क्षेत्र के निकट तरौना पुल के पास हरदोई लखनऊ हाईवे पर राष्ट्रीय राज्य मार्ग का कार्य प्रगति पर है। निरंतर कार्य चलने की वजह से डायवर्जन कराया गया है। जिसके चलते गुरुवार देर रात तकरीबन डेढ़ बजे कंटेनर, ट्रक में आमने–सामने भिड़ंत हो गई जिसके चलते दोनों ट्रकों के चालकों को चोटे आई हैं। सूचना पर पहुंची पीआरवी तथा थाना की पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। थाना प्रभारी के मुताबिक अंकुर उर्फ विक्रांत निवासी पमनावली थाना खतौही जिला मुजफ्फर नगर कंटेनर संख्या यूपी 17 ।ज 7876 में बैटरी लादकर लखनऊ जा रहा था। तभी तारौना पुल के निकट लखनऊ की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक संख्या यूपी 74 टी 1031 से सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई।

राजकीय बालिका इण्टर कालेज हरदोई में हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

हरदोई । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में एवं अपर जिला जज ध सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय हरदोई सुधाकर दुबे की अध्यक्षता में बालिकाओं के जन्म और शिक्षा का अधिकार विषय पर विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन राजकीय बालिका इण्टर कालेज हरदोई में किया गया।

जिसमें अपर जिला जज ध सचिव ने सम्बन्धित विषय पर जानकारी देते हुये बताया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है क्योंकि भारत का कानून हमारे संविधान पर ही आधारित है।हमारे संविधान के द्वारा ही मनुष्य को मौलिक कर्तव्य व मौलिक अधिकार मिले हैं। किसी भी नागरिक का विकास तब– तक संभव नही है–जब –तक वह शिक्षित न हो जाये। इसीलिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को लाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य 6 से 14 वर्ष के बालक बालिकाओं को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना। शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के लिए जरूरी है, शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति अपने देश व समाज को आगे बढ़ा सकता है। शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जी सकता है और शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति शक्तिशाली बन सकता है। इसलिये शिक्षा हमारे जीवन में बहुत जरूरी है साथ ही उन्होने महिलाओ की सुरक्षा का अधिकार विषय के बारे में जानकारी दी। उन्होने आगे कहा कि प्रत्येक छात्र को स्किल फुल शिक्षा ग्रहण करना चाहिये क्योंकि शिक्षा स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिषक का निर्माण करने का कार्य करती है एवं शिक्षा के प्रति किसी छात्र की सोंच नकारात्मक नही होनी चाहिए। अन्त मे उन्होने उपस्थित छात्राओं से पढ़ाई लिखाई के बारे में जानकारी प्राप्त की। नायब तहसीलदार सदर सुश्री सुरभि रॉय ने जानकारी देते हुए कहा कि माता– पिता को चाहिये कि बालिकाओं का जन्म होने पर संविधान उन्हें भी समान शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है। उन्होने सरकार द्वारा महिलाओ के लिये चलाई जा रहीं जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे मे बताया। कार्यक्रम का संचालन लीगल एड क्लीनिक फरहान सागरी ने किया। लीगल एडवाइजर दिनेश कुमार ने वीमेन पावर हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइ 1076, चाइल्ड लाइन 1098 सहित जिघ्ला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में भी बताया।

संक्षिप्त खबरे

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

अयोध्या । लखनऊ–वाराणसी रेल प्रखंड पर शुक्रवार को एक अधेड़ उधर से गुजर रही एक्सप्रेस ट्रेन के आगे लेट गया। ट्रेन की चपेट में आने के चलते शख्स की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है। बताया गया कि शुक्रवार की सुबह एक ट्रेन लखनऊ–वाराणसी रेल प्रखंड पर गुजर रही थी। इसी दौरान नगर कोतवाली क्षेत्र के लालबाग मोहल्ला निवासी 45 वर्षीय पप्पू ट्रेन के आगे लेट गया। ट्रेन की चपेट में आकर कट गया तथा उसकी मौत हो गई। चौकी प्रभारी फतेहगंज सुरेश गुप्त ने बताया कि मामले की जानकारी होने पर उपनिरीक्षक सुदामा यादव और आरक्षी संतोष कुमार को मौके पर भेजा गया। कंट्रोल रूम को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक पप्पू का शव लालबाग रेलवे क्रासिंग के पास मिला है। वह लालबाग स्थित मकान नंबर 7ध6ध79 का निवासी था और मोहल्ले वालों के मुताबिक नशे का आदी था। पुलिस को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

कोचिंग छात्रों ने दबोचा साइकिल चोर

हरदोई । बिलग्राम चुंगी स्थित आशीष सिंह की कोचिंग के पास एक साइकिल चोर पकड़ा गया। साइकिल चोर पूर्व में भी कोचिंग से बच्चो की कई बार साइकिल चुरा चुका है। पकड़े गए साइकिल चोर अपने आप को ग्राम सथरी का रहने वाला बता रहा है और उसके पास से साइकिल का ताला खोलने वाला पेचकस भी बरामद हुआ है। साइकिल चोर ने इससे पहले भी साइकिल चोरी करने की बात कबूल की है। कोचिंग छात्रों ने साइकिल चोर को पकड़ने के बाद चोर को राधानगर चौकी को सुपुर्द कर दिया है।

जिले के मूल निवासी ही प्रवेश परीक्षा में होंगे शामिल

रायबरेली। नवोदय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा के लिए नई गाइड लाइन के अनुसार जिले के विद्यालयों में पढ़ने वाले व जिले के मूल निवासी ही प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इससे पड़ोसी जिलों के बॉर्डर के विद्यालयों में पढ़ने वाले दूसरे जिलों के बच्चों को मुश्किल खड़ी हो गई है।सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन अब यह हो गई है कि विद्यार्थी जिस जिले का हो वही प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। परंतु जिले की सीमा पर स्थित विद्यालयों में पड़ोस के जिले के विद्यार्थी पढ़ते हैं। इससे उनके लिए नवोदय में प्रवेश का सपना अधूरा रह गया है। जबकि सभी जिलों में सीमा पर स्थित विद्यालयों में पड़ोसी जनपद के बच्चे अध्ययन करते हैं। सरकार की नई गाइडलाइन के अनुसार पड़ोसी जनपद के बच्चों को नवोदय प्रवेश परीक्षा फार्म भरने के लिए कोई विकल्प नहीं है। जिससे होनहार बच्चे प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पाएंगें। क्योंकि नई गाइड लाइन ने उन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए फार्म भरने के लिए वंचित कर दिया है। अभिभावक मुन्ना तिवारी , सत्येंद्र पांडे ,पवन कुमार तिवारी ,मंटू शुक्ला आदि ने बताया कि यह नई गाइडलाइन आने से तमाम विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा से वंचित होना पड़ रहा है।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर

रायबरेली । जगतपुर चौराहे पर ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल थाने के बगल में आधा घंटा घायल व्यक्ति तड़प रहा था पुलिस अपने में मस्त थी।दुकानदारों व ग्रामीणों की मदद से सीएचसी पहुंचाया गया जहां सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि पैर टूट चुका है। लालगंज अझारा थाना क्षेत्र के रानीगंज कैथौला निवासी जितेंद्र सिंह बाइक से अपनी रिश्तेदारी डलमऊ गए हुए थे। डलमऊ से वापस आते समय चौराहे पर ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आधा घंटे तक घायल तड़पता रहा पुलिस नहीं पहुंची। राहगीरों व दुकानदारों की मदद से सीएचसी पहुंचाया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ सत्यपाल सिंह ने बताया कि पैर टूट गया है। जिला अस्पताल को रिहा कर दिया गया है।

चोरी कर झाड़ियों में छिपा देते थे बाइकें,दो शातिर गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने झाड़ियों में छिपा कर रखी सात बाइक और एक स्कूटी बरामद की। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ कर जेल भेज दिया जाएगा।डीसीपी पूर्वी शिवाजी ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि चकेरी क्षेत्र समेत कई जगहों पर दोपहिया वाहन की लगातार चोरी की सूचना मिल रही थी। इसी कड़ी में मुखबिर तंत्र को एक्टिव कर दिया गया था। मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि श्याम नगर चारखंभा से बाइक चोरी करने वाले दो चोर छप्पन भोग चौराहे से पीएसी बाईपास की ओर जा रहे।इसी कड़ी में चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक बाइक पर सवार दो युवकों को रोका, तो वह बाइक की स्पीड तेज कर भागने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम बिधनू थाने के गोपाल नगर जुगईया मोड़ निवासी ईशू सिंह उर्फ शान्तनु सिंह और किदवई नगर के गोपाल नगर निवासी किशन उर्फ बेटी बताया।आरोपियों के पास से चोरी की आठ बाइक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दोपहिया वाहन चोरी करने के बाद वह सजारी मोड़ कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में छिपा देते। इसके बाद उन्हें सस्ते दामों में बेच देते।

डीएम ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

उन्नाव। जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव ने बताया है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के अवसर पर जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे एवं मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज द्वारा शासकीयधनिजी स्कूलों की छात्राओं की रैली को कलेक्ट्रेट भवन से हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया बालिकाओं द्वारा कलेक्ट्रेट भवन से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारों के उदघोष के साथ राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उन्नाव तक प्रभातफेरीध्रैली की गई।

परिचित ने ही बुजुर्ग दंपत्ति की हत्या कर डाली थी डकैती,मास्टरमाइंड समेत दो आरोपी फरार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। ककवन थाना क्षेत्र के फत्तेपुर में बीते गुरुवार की रात को दोहरे हत्याकांड और डकैती का कानपुर पुलिस ने सातवें दनि खुलासा कर दघ्या है। पुलिस ने घटना में शामिल छह अभियुक्तों में से 4 को को गिरफ्तार करके लूटा हुआ माल भी बरामद कर लिया है। घटना में शामिल मास्टरमाइंड समेत दो अभियुक्तों की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। वारदात का खुलासा करने वाली टीमों को पुलिस आयुक्त द्वारा एक लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई है।पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड ने शुक्रवार दोपहर प्रेस वार्ता में दोहरे हत्याकांड और डकैती का खुलासा करते हुए बताया कि,अभियुक्तों से पूछताछ में जुर्म कबूल करते हुए बताया कि 12– 13 जनवरी की रात में वह छह लोग पूरी योजना के साथ, दो मोटर साइकिल पर सवार होकर मृतक के घर पर लगभग समय 11 बजे पहुंचे। उनका एक साथी घटना का मास्टरमाइंड हिमांशु जो इस घटना का मास्टर माइन्ड था वह मृतक के परिवार व राजकुमार एवं

उसके परिवार से पूर्व से कई वर्षों से परिचित था और मृतक छम्मीलाल को नाना कहकर सम्बोधित करता था।हिमांशु ने गुटका लेने के बहाने दरवाजा खुलवायाहिमांशु द्वारा घर का दरवाजा खटखटाकर, अपना परिचय देते हुए गुटका लेने के बहाने दरवाजा खुलवाया तथा घर में प्रवेश किया और छम्मीलाल से उसे व उसके साथियों को रात्रि में वहीं रुकने के लिए विनती की। जिस पर छम्मीलाल द्वारा उनके लिए घर के बरामदे में रुकने हेतु बिस्तर एवं रजाई की व्यवस्था कर दी गई।देर रात लगभग तीन बजे जब छम्मीलाल और उनकी पत्नी गहरी नींद में सोये हुए थे तब हिमांशु ने अपने साथियों के साथ मिलकर वृद्ध दंपति की गला घोंटकर हत्या कर दी और सपना के कमरे में जाकर तमंचे से डराकर अलमारी में रखी नगदी और जेवरात निकाल लिए और उसे बंधक बनाकर दोनों मोटर साइकिल पर सवार होकर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

सेउता पूर्व प्रधान की हृदय गति रुकने से मौत

सेउता (सीतापुर)। विकासखण्ड रेउसा के ग्राम पंचायत सेउता की पूर्व प्रधान की हृदय गति रुक जाने से मौत हो गयी। उनका अंतिम संस्कार उनके ग्रह निवास सेउता में हिन्दू रीति रिवाज से किया गया। ग्राम पंचायत सेउता की पूर्व प्रधान विजय लक्ष्मी पत्नी राजाराम अवस्थी विगत दिवस से प्रयाग राज में अपने पति श्री अवस्थी के साथ एक माह के लिए कल्पवास में थी। दो दिन पूर्व उनकी तबियत खराब हुई थी। उनके पति श्री अवस्थी उनको लेकर लखनऊ आये और मेडिकल कालेज के हृदयरोग बिभाग में उनका इलाज चल रहा था। गुरूवार को देर शाम इलाज के दौरान उनकी हृदय गति रुक जाने से मौत हो गई। उनकी उम्र 72 वर्ष की थी। उनके पति राजाराम अवस्थी सरकारी अध्यापक रहे हैं। स्वर्गीय विजय लक्ष्मी ग्राम पंचायत सेउता में तीन बार प्रधान पद के लिए चुनाव लड़ीं।

अज्ञात हमलावरों ने कांग्रेसी नेता के पिता की कार पर किया पथराव व फायरिंग

सिधौली (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र के अशोधन गांव के निकट कांग्रेस नेता के घर से मांगलिक कार्यक्रम से वापस आ रहे कुर्सी विधानसभा के कांग्रेस नेता के पिता की कार पर अज्ञात हमलावरों ने हमला बोल दिया। हमलावरों ने कार पर पथराव व फायरिंग भी की जिससे कांग्रेस नेता के पिता को भी चोटिल हो गये। बताते है कि गुरुवार को सिधौली विधानसभा के कांग्रेस पार्टी के पीसीसी सदस्य अमर सिंह राणा के छोटे भाई के तिलक समारोह में शामिल होने परिवार सहित कांग्रेस नेता पवन यादव उनके पिता लालता प्रसाद यादव निवासी पुरनिया थाना अलीगंज अपने समर्थकों के साथ आये हुए थे। देर रात 10 बजे के करीब जब सभी लोग अपनी अपनी गाड़ियों से वापस जा रहे थे। तभी लालता प्रसाद यादव लघुशंका के लिए अशोधन गांव के कुछ दूरी पर अपनी कार से उतरे थे। इसी दौरान तीन लोगों ने ललकारते हुए उनके ऊपर एक फायर कर दी जब वह बच गये व दो हवाई फायरिंग भी की। जिससे वह बाल बाल बच गए लेकिन एक पत्थर लालता प्रसाद के पैर पर जा लगा जिससे वह चोटिल हो गये। जिससे जब वह बचने के लिए कार की ओर भागे और कार में घुस गये। इसी दौरान हमलावरों ने कार को चारों ओर से घेर लिया और ईंट पत्थर कार पर चलाने लगे। जिससे कार का शीशा छतिग्रस्त हो गया। लालता प्रसाद ने बताया कि हमले के दौरान उन्होंने दो लोगों को पहचान लिया था। जिसमें एक जितेंद्र यादव पुत्र रमेश यादव निवासी पलिया थाना घुँघटेर जनपद बाराबंकी व लल्ला यादव निवासी ढकवा था। अन्य गाड़ियों को आते देख हमलावर फरार हो गये। सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना पर सीओ यादवेंद्र कोतवाली प्रभारी आरके सिंह पहुँचे और घटना की जानकारी लेते हुए सभी को क्षतिग्रस्त वाहन सहित कोतवाली भेजा। जहाँ पर लालता प्रसाद यादव की तहरीर पर पुलिस ने अग्रिम कार्यवाही करते हुए घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए सिधौली सीएचसी भेजा।

आम के बाग में बेल्ट के सहारे लटकता मिला युवक का शव

मलिहाबाद,लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में एक युवक का शव आम के बाग में लटकता हुआ मिला जिससे हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं परिजनों ने हत्या का शक गांव के ही मृतक के दोस्त पर जाहिर किया है।माल थाना क्षेत्र के रहने वाले छोटू पुत्र स्वर्गीय शतनू 25 निवासी भभूती खेड़ा मजरे थावर का दो दिन पहले गांव के ही दोस्त देशराज से मोबाइल चोरी का मामला हुआ था जिसके चलते मृतक ने देशराज के खिलाफ थाने पर तहरीर भी दी थी। शुक्रवार को छोटू का शव गांव से कुछ दूर एक आम की बाग में बेल्ट के सहारे लटकता हुआ ग्रामीणों ने देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना पर परिजनों सहित सैकड़ों ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंच गए। वहीं जानकारी मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जांच पड़ताल कर युवक के शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक कि मां ने गांव के ही देशराज पर हत्या का शक जाहिर किया है।

प्रतिबंधित हरे पेड़ों पर लकड़ी ठेकेदार चला रहे आरा

मिल्कीपुर–अयोध्या । कुमारगंज वन रेंज अंतर्गत वन कर्मियों की मिलीभगत लकड़ी ठेकेदार द्वारा प्रतिबंधित प्रजाति के हरे भरे पेड़ों को अवैध रूप से काटकर पार कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यही नहीं वन विभाग के उच्चाधिकारी अवैध कटान के संबंध में जानकारी लेते रहे लेकिन संबंधित वन कर्मी अपने अधिकारियों को केवल पेड़ की डाल काटे जाने की सूचना देते हुए गुमराह करते रहे। रेंज अधिकारी के निर्देश पर दूसरे क्षेत्र के बीट प्रभारी ने जब मौके पर जाकर हकीकत देखा तो वहां पर आम के पेड़ कि अवैध कटान किए जाने का खुलासा हुआ।

अवैध कटान के आरोपी दोषी बीट प्रभारी के खिलाफ अधिकारी अब क्या कार्यवाही करेंगे इसका पता नहीं लग सका है।प्राप्त जानकारी के अनुसार कुमारगंज थाना अंतर्गत गोयड़ी पूरे शुक्ल गांव में लकड़ी ठेकेदार द्वारा बीते 2 दिनों से प्रतिबंधित प्रजातीय आम के पेड़ को काटा जा रहा था। जिसकी शिकायत क्षेत्रीय लोगों द्वारा वन विभाग के उच्चाधिकारियों सहित वन क्षेत्र अधिकारी को दी जा रही थी।

लेकिन जब वन क्षेत्राधिकारी ने संबंधित बीट प्रभारी सूर्यभान सिंह को मौके पर जाकर देखने को कहा तो, उन्होंने क्षेत्राधिकारी को गुमराह करते हुए कहा कि पेड़ नहीं काटा गया है, मात्र डाल काटी गई है। लेकिन वहां पर पेड़ों का कटान चलता रहा। जब शुक्रवार को अमानीगंज के बीट प्रभारी विष्णु चौहान को क्षेत्राधिकारी ने मौके पर जाकर सही जांच कर अवगत कराने को कहा तो, विष्णु चौहान ने अपनी रिपोर्ट में वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज को बताया कि दो पेड़ आम के काटे गए हैं।

अब देखना है कि वन क्षेत्राधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव लकड़ी ठेकेदार एवं बीट प्रभारी सूर्यभान सिंह के खिलाफ क्या कार्यवाही करते हैं। इस प्रकार से हरे भरे पेड़ों की अवैध कटान मैं कुमारगंज वन रेंज के बीट प्रभारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक संलिप्त है।

आशनाई व ब्लैकमेल करने के चक्कर में हुई थी युवक की हत्या

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। शहर में पनकी के गंगागंज निवासी दीपक उर्फ पप्पू (25) की हत्या आशनाई व ब्लैकमेल करने के चक्कर में हुई थी। पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि हत्यारों ने पहले युवक को शराब पिलाई इसके बाद उसके सिर में ताबड़तोड़ ईंट से प्रहार को मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने महिला समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अब तक की हुई जांच में अभियुक्तों ने अवैध संबंधों के चक्कर में दीपक की हत्या करने की बात कबूल की है। दोनों हत्यारोपी रिश्ते में मामा और भांजे हैं। पनकी गंगागंज भाग–दो निवासी रामसिंह का मझला बेटा दीपक पनकी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। बीते शनिवार सुबह

उसका शव घर से 200 मीटर स्थित एक खाली प्लॉट में मिला था। मामले में पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड ने शुक्रवार दोपहर प्रेस वार्ता में हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि,पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि पंकज उर्फ गोलू की मां बिट्टी उर्फ आशा का मृतक पप्पू से प्रेम सम्बन्ध थे। इस कारण आरोपी पंकज उर्फ गोलू की सामाजिक प्रतिष्ठा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रही थी तथा दीपक उन लोगों से पैसे की माँग करता था। अभियुक्तों ने बताया कि,दिनांक 01.01.2023 को भी मृतक दीपक उर्फ पप्पू शराब पीकर पंकज उर्फ गोलू के घर पर चढ़ आया था, तथा गाली गलौज व उपद्रव किया था।

श्री रामजन्मभूमि मंदिर को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्ग का जायजा लेते मण्डलायुक्त गौरव दयाल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या । मण्डलायुक्त गौरव दयाल व जिलाधिकारी नितीश कुमार ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को जोड़ने वाले प्रमुख सम्पर्क मार्गो यथा–राम जन्मभूमि पथ (सुग्रीव किला से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक) भक्ति पथ (श्रृंगार हाट से हनुमानगढ़ी होते हुये जन्मभूमि पथ तक) तथा रामपथ (सहादतगंज से नयाघाट तक) के चौड़ीकरणध्सुदृढ़ीकरण सम्बंधी कार्यो की प्रगति तथा उसकी गुणवत्ता का जायजा लिया। इस अवसर पर अवगत कराया गया कि जन्मभूमि पथ (लम्बाई 0.566 किमी0) का 55 प्रतिशत कार्य पूर्ण है। मिट्टी का कार्य पूर्ण है, मौके पर जल निगम द्वारा सीवरध्वाटर सप्लाई पाइप लाइन का कार्य प्रगति पर पाया गया, आर0सी0सी0 नाली एवं यूटीलिटी डक्ट का कार्य गतिमान पाया गया। तदोपरांत भक्ति पथ के निरीक्षण में भूमिध्भवन का बैनामा किया जा चुका

है एवं दुकानों का प्रतिकर दिया जा चुका है। कुल प्रभावित 350 दुकानों में से सभी को मुआवजा दिया जा चुका है। ध्वस्तीकरण का कार्य पूर्ण है, रेडीमिक्स कंक्रीट प्लांट व मशीनरी मोबलाइजेशन कराकर सीवर लाइन का कार्य प्रगति पर है। सीवर लाइन कार्य 482 मीटर के सापेक्ष 220 मीटर का कार्य पूर्ण है। इस दौरान अधिकारी द्वय द्वारा मौके पर विभिन्न दुकानदारोंध्भवन स्वामियों से वार्ता कर उन्हें मार्ग की निर्धारित चौड़ाई की सीमा के बाहर ही अपने भवनोंध्दुकानों का निर्माण कराने हेतु प्रेरित किया गया। अधिकारी द्वय ने अयोध्या विकास प्राधिकरण के टाउन प्लानर व सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाय कि मार्गो की निर्धारित चौड़ाई के बाहर ही निर्माण हो। निर्धारित सीमा के भीतर किसी भी दशा में छज्जा व सीढ़ी का भी निर्माण न होने पाये। सभी भवनों का फसाड निर्धारित फसाड के अनुरूप हो तथा सभी दुकानोंध्भवनों में निर्धारित वार्म लाइट ही लगायी जाय। अधिकारी द्वय ने कहा कि उक्त कार्य निर्धारित मानक के अनुरूप न पाये जाने की दशा में सम्बंधित जे0ई0ध अधिकारी पर कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान उन्होंने भक्ति पथ पर आने वाले श्रद्वालुओं को मार्ग के एक किनारे पर से आवागमन की सुचारू सुविधा उपलब्ध कराते हुये बाकी मार्ग पर पर्याप्त मानव संसाधन लगाकर 24 गुडे 7 तीन शिफ्टों में तीव्र गति से कार्य कराने हेतु अधिशाषी अभियन्ता निर्माण खण्ड–4 व सम्बंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया। इस अवसर पर अधिकारी द्वय द्वारा सीवर लाइन सहित समस्त कार्यो को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से कराने तथा अधिशाषी अभियन्ता को नियमित गुणवत्ता चेक करने व निरीक्षण नोट उपलब्ध करने के निर्देश दिये।

गर्भवती व बच्चों का होगा शत-प्रतिशत टीकाकरण सीएमओ

सीतापुर। जिले में डिप्थीरिया, मीजल्स व रूबेला के मरीजों के साथ ही अन्य मरीजों का पाया जाना चिंता का विषय हैं। बच्चों को 12 तरह की जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए नियमित टीकाकरण किया जाता है। इसके अलावा गर्भवती को भी टिटेनस और वयस्क डिप्थीरिया (टीडी) का टीका लगाया जाता है द्य प्रदेश सरकार द्वारा तीन चरणों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में पहला चरण नौ जनवरी से 20 जनवरी 2023 तक, दूसरा 13–22 फरवरी और तीसरे चरण में 13–22 मार्च तक विशेष टीकाकरण पखवारा मनाने का निर्णय लिया है। इस आशय की जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु गैरोला ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि इन विशेष पखवारों के दौरान छूटी हुई गर्भवती व बच्चों का शत–प्रतिशत टीकाकरण किया जाना है। सीएमओ ने बताया कि 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिए बच्चों को लगाए जाते हैं। पखवारे के तहत गांव–गांव, घर–घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को टीका लगाया जा रहा है । विभाग का प्रयास है कि कोई भी बच्चा टीका लगवाने से वंचित न रह जाए, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विशेष टीकाकरण पखवारे की सफलता के लिए आशा एवं एएनएम के माध्यम से हेड काउंट सर्वे के आधार पर बच्चों का टीकाकरण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पखवारे के तहत शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के नियमित टीकाकरण के अलावा नौ माह से पांच वर्ष तक के बच्चों को खसरा से बचाव के लिए मीजल्स–रूबेला का टीका दिया जा रहा है। हर बच्चे को एमआर टीके की दो खुराक लगनी हैं । यानि जनवरी में टीके की पहली डोज व 3 माह बाद दूसरी डोज लगेगी द्य जिन टीकों के प्राथमिक तीन डोज एक साल से छोटे बच्चे को देनी है व जनवरी में पहली डोज लगी है ।

मौनी अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल, सुगम एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु अपर पुलिस महानिदेशक एवं मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । अपर पुलिस महानिदेशक श्री भानु भास्कर एवं मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मौनी अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल, सुगम एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विभिन्न विभागों के द्वारा मेला क्षेत्र में स्नान पर्व को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने हेतु की गयी तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गयी। बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक ने निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में सड़कों पर अतिक्रमण न होने पाये। उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी बातों का विशेष ध्यान रखा जाये तथा उसको गम्भीरता से ले। संदिग्ध व्यक्तियों एवं संदिग्ध वस्तुओं पर विशेष ध्यान रखा जाये। एडीजी जोन ने कहा कि मेला क्षेत्र में पानी का छिड़काव समयत्र पर होता रहे, जिससे कि धूल इत्यादि की समस्या न हो। उन्होंने पीपे के पुल पर किसी भी दशा में जाम न होने पाये, इसकी समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। साथ ही साथ उन्होंने सभी पीपे के पुलों को पुनः एक बार चेक करने के लिए कहा है। अपर पुलिस महानिदेशक ने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर स्नान पर्व को सकुशल एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि टीम वर्क की भावना से कार्य करने पर किसी भी कार्य में सफलता अवश्यंभावी है। उन्होंने भीड़ एवं यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि स्नान पर्व के दिन स्नान के बाद भीड़ के डिस्पर्सन की समुचित व्यवस्था रहे, जिससे कि किसी भी दशा में शहर में जाम की स्थिति न उत्पन्न होने पाये।

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने बैठक में कहा कि मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समुचित व्यवस्था बनाये रखने हेतु सम्बंधित कम्पनियों से समन्वय बनाकर इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। उन्होंने स्नान पर्व के दिन दुकानों पर अनावश्यक भीड़ न इकट्ठा होने पाये, इसकी व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने जल निगम को मेला क्षेत्र में कहीं पर भी पानी लिकेज न होने पाये, इसकी शत–प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने पीपे के पुलों तथा मेला क्षेत्र में बनायी गयी सड़कों पर चकर्ड प्लेटों को सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने कंट्रोल रूम में सभी सम्बंधित विभागों को अपने विभाग से सम्बंधित अधिकारियोंध्कर्मचारियों की चौबीस घण्टे की व्यवस्था हेतु शिफ्ट वार ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मेला क्षेत्र में शौचालयों, मोबाइल शौचालयों तथा पूरे मेला क्षेत्र में साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्टेशनों व अन्य स्थलों पर बनाये गये होल्डिग एरिया में प्रकाश, शौचालय, पीने के पानी एवं साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकरी एवं प्रधानाचार्य स्वरूपरानी को अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में बेड़ों, चिकित्सकों, दवाईयों की व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। घाटों पर निरंतर साफ–सफाई, प्रकाश, चेजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित रहे साथ ही साथ जल पुलिस एवं गोताखोरों की भी पर्याप्त मात्रा में तैनाती सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि नाव में ओवरलोडिंग किसी भी दशा में न होने पाये। निर्धारित संख्या के अनुरूप ही लोग नाव में बैठे तथा जितने लोग बैठे उतने लाइफ जैकेट अनिवार्य रूप से रहे। किसी भी दशा में नशे की हालत में कोई भी नाविक नाव न चलाने पाये, यदि इस तरह की कोई शिकायत पायी जाये, तो सम्बंधित नाव को सीज कर दिया जाये।

भारत हर बार वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देता है: राजनाथ सिंह

प्रयागराज । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ के त्रयोदशाह में प्रयागराज पहुंचे। यहां के मीडिया के सवाल पर कहा,च्चाहे पीओके हो या पाकिस्तान हो वहां की जनता सुखी रहे। हम सदैव यही कामना करेंगे। क्योंकि, भारत दुनिया का इकलौता देश है। जिसने भारत की सीमा में रहने वाले लोगों को ही अपने परिवार का सदस्य नहीं माना है। बल्कि, पूरे विश्व की धरा पर रहने वाले लोगों को परिवार का सदस्य मानते हुए वसुध ैव कुटुंबकम यह संदेश देने वाला भारत है।चाइना के बार–बार भारत को आंख दिखाने के सवाल पर राजनाथ सिंह ने कहा कि उसे भारत की ताकत अच्छी तरह मालूम है। मुझे इस संबंध में कोई टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। भारत आज दुनिया की टॉप–5 अर्थव्यवस्था में पहुंच चुका है। अर्थव्यवस्था के जानकार यह मानने लगे हैं कि 2027 तक भारत दुनिया के टॉप–3 अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत विश्व की टॉप अर्थव्यवस्था बन जाएगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी को मैं बड़े भाई के रूप में देखता हूं।

रसायन युक्त राख से बढ़ा बीमारियों का खतरा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

शिवराजपुर (प्रयागराज)। क्षेत्र में स्थित बारा पावर प्लांट में जमा फ्लाईएस (राखड) को निकालकर कुछ ठेकेदार पावर प्लांट के बगल स्थित स्कूल के बगल में गिरा रहे हैं। जिससे क्षेत्र में गंभीर बीमारियों के खतरे के साथ स्कूली बच्चों की जान का खतरा बना हुआ है। बता दें कि शंकरगढ़ क्षेत्र के मिश्रापुरवा में 1980 मेगा वाट का तापीय विद्युत गृह स्थापित है। कोयले से बनने वाली बिजली के कारण प्लांट में काफी मात्रा में राख इकट्ठे हो गई है। कंपनी ने कुछ ठेकेदारों को राख निकालने का ठेका दिया है। लोगों ने बताया कि ठेकेदारों द्वारा नियम कानून को दरकिनार कर मनमाने तरीके से राखड को हाईवा वाहनों से तय मानक से अधिक लोडिंग करके कंपनी के बगल में ही स्थित डीएवी सरदार पटेल पब्लिक स्कूल की बाउंड्री के किनारे गड्ढा खोदकर डाल रहे हैं। लोगों ने बताया कि बगल से ही नहर गई हुई है जिस कारण उस एरिया में पानी भरा रहता है। आशंका जाहिर की गई कि रसायन युक्त राख पानी में डालने से वह आसपास के गांवों के कुआं व हैंडपंप के पानी को जहरीला बना सकती है। जांच का विषय है कि किस प्रकार बिना प्रपत्र के डंपर में ओवर लोड फ्लाई ऐश परिवहन किया जा रहा है। नियम के मुताबिक फ्लाइएस को गड्ढे डालकर ऊपर से मिट्टी डालकर वृक्षारोपण करना चाहिए। लोगों ने मनमाने तरीके से खनन व परिवहन व गड्ढा खोदकर पाटी जा रही राखड़ को तुरंत बंद किए जाने व दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

विवाहिता की प्रताड़ना में प्रेमिका सहित ससुरालियों पर मुकदमा

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली अन्तर्गत बोझी क्षेत्र के कुडहनी निवासी व बलिया में ब्याही गई विवाहिता को कम दहेज लाने के लिये प्रताड़ित करने, मारपीट करने व दूसरी महिला से पति के सम्बन्ध होने के आरोप में विवाहिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने युवक की प्रेमिका सहित सात ससुरालियों पर मुकदमा पंजीकृत किया है।

स्थानीय कोतवाली अन्तर्गत बोझी क्षेत्र के कुडहनी गांव निवासी यशवंत मौर्य की पुत्री सोनी मौर्या का विवाह विगत वर्ष 11 मई 2022 को बलिया जनपद के भीमपुरा थाना अन्तर्गत बरेवां निवासी नागेश्वर मौर्य के पुत्र आशा नारायण मौर्य के साथ हुआ था। विवाहिता का आरोप है कि उसके पति का करिश्मा मौर्य नाम की लडकी के साथ अफेयर है और परिवार वालों की रजामंदी से वह उसके साथ रहना चाहता है।

सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम

प्रयागराज । सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरूवार को दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी के विरूद्ध चेकिंग अभियान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे लिप्रोसी चौराहा, बांगड ध र्मशाला चौराहा में चलाया गया। इस अभियान के तहत दो पहिया वाहन चालकों को 3 लोगों को बैठाकर न चलाये के संबंध में जागरूक किया गया एवं 12 वाहनों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। इसके अतिरिक्त वाहनों में हूटर, सायरन व प्रेशर हार्न के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। उक्त जागरूकता अभियान में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी जैसे– दो पहिया वाहन चालक, हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट लगा कर वाहन चलाये, नशे की हाल में वाहन न चलाये, रेड सिग्नल को पार न करें, लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करें, तेज रफ्तार से वाहन न चलायें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, का पालन किया जाये जिससे सड़क दुर्घटना से बचा जा सकता है। इस श्री सुरेश कुमार मौर्य, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) तृतीय दल, श्री सुरेन्द्र सिंह, यात्रीकर अधिकारी, श्री विक्रान्त सिंह यात्रीकर अधिकारी, श्री रामसागर यात्रीकर अधिकारी एवं प्रवर्तन सिपाही उपस्थित रहें।

शोध छात्रों के लिए मुविवि में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावध ाान में भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दस दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम 20 फरवरी से 02 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। शोध–प्रविधि पाठ्यक्रम में पंजीकरण के लिए लिंक का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर शोध प्रविधि कार्यशाला में देश के प्रख्यात शिक्षाविद एवं विषय विशेषज्ञों का संबोधन होगा। जिसका लाभ 10 दिनों तक सुयोग्य शोधार्थियों को मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि उक्त पाठ्यक्रम में देश एवं प्रदेश के विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के आचार्य विषय–विशेषज्ञ के रूप में अपना व्याख्यान देंगे। यह कार्यक्रम पी–एच. डी. शोध छात्रों एवं अन्य शोधार्थियों के लिए विशेष लाभकारी होगा।पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ आनन्दानन्द त्रिपाठी ने बताया कि पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल 30 तकनीकी सत्रों का संचालन किया जाएगा, जिसमें उपस्थित शोधार्थियों के लिए सामाजिक विज्ञान में शोध की विभिन्न तकनीकों का प्रयोग सिखाने के साथ–साथ सामाजिक विज्ञान में शोध के क्षेत्र में किए गए विभिन्न नवाचारों पर प्रकाश डाला जाएगा। सह पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में देश भर से कुल 30 शोध छात्र लिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरे

अवलोकन तीरथराजु चलो रे में मनोहारी गीतों की प्रस्तुति

प्रयागराज । संस्कृति वापस उत्तर प्रदेश एवं संस्कार भारती प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ष्अवलोकन तीरथराजु चलो रेष् की अंतर्गत 5वीं सांस्कृतिक संध्या में लोकगायिका प्रियंका चौहान के लोकगीतों ने श्रोताओं का दिल जीत लिया।प्रयागराज के विकास पांडेय तथा कृति श्रीवास्तव के गायन से भी श्रोतागण आनंदित हुए। मिर्जापुर के मनीष शर्भा ने कथक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी।संस्कार भारती प्रयागराज की भू–अलंकरण संयोजिका पूनम सिंह ने पूरे शिविर को अपनी ओर अपने शिष्यों द्वारे सृजित रंगोली से बहुत सुन्दर वातावरण बना दिया है।कार्यक्रम संयोजक सुशील राय ने तथा संचालन अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रेमलता मिश्रा,विश्वज्योति सहाय,शम्भूनाथ श्रीवास्तव,पंकज गौड़,रंजना त्रिपाठी,मनीष तिवारी,दीपक शर्मा,विशाल यादव आदि विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

प्रयागराज नगर निगम में एआईएमआईएम ने मेयर केलिए अपना प्रत्याशी किया घोषित

प्रयागराज । नगर निगम प्रयागराज के मेयर पद के चुनाव के लिए एआईएमआईएम ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। मोहम्मद नकी खान को पार्टी ने मेयर पद के लिए टिकट दिया है। नकी खान एक समाज सेवी हैं और उनका कोई सियासी अनुभव नही है। पार्टी ने महानगर अध्यक्ष फैसल वारसी ने आज प्रेस क्लब में उनके नाम का ऐलान किया।

प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित प्रेस रिपोर्टर क्लब में एक प्रेस वार्ता के जरिए पार्टी ने अपने प्रत्याशी का ऐलान किया है। पार्टी के प्रत्याशी नकी खान एक समाजसेवी और अपरिचित चेहरा हैं। उनका कहना है कि उनकी कोई सियासी पहचान नहीं है। उनके भाई की सियासत से जड़े जुड़ी हुई थी लेकिन उनकी हत्या कर दी गई। जिसके बाद उनका सपना पूरा करने के लिए उन्होंने सियासत में आने का फैसला किया है।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अर्पित की पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी को श्रद्धांजलि

प्रयागराज। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी के तेरहवीं संस्कार में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। उन्होंने पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके साथ ही भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य भाजपा महानगर अध यक्ष गणेश केसरवानी, अवधेश चंद्र गुप्ता, कमलेश कुमार, राजेंद्र मिश्रा, शशि रणजीत सिंह, शशि वार्ष्णेय, राजेश केसरवानी, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, सुभाष वैश्य राजन शुक्ला अजय अग्रहरि, आशीष जायसवाल, सत्या जायसवाल, शत्रुघ्न जायसवाल एवं हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए और पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

थाना कोरांव पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट के अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कोरांव में पंजीकृत मु0अ0सं0 24,2023 धारा 377,504,506 भादंवि, 3(2)V SC/ST ACT o 5/6 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त शक्तिमान प्रसाद वर्मा पुत्र भोला प्रसाद वर्मा निवासी ग्राम हण्डिया थाना कोरांव प्रयागराज को आज दिनांक 20ध्01ध्2023 को थाना कोरांव पुलिस टीम द्वारा ग्राम हण्डिया थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त शक्तिमान प्रसाद वर्मा पुत्र भोला प्रसाद वर्मा निवासी ग्राम हण्डिया थाना कोरांव प्रयागराज, उम्र 21 वर्ष पंजीकृत अभियोग

मु0अ0सं0 24,2023 धारा 377,504,506 भादंवि, 3(2)V SC/ST ACT o 5/6 पॉक्सो एक्ट गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम 1. उ0नि0 अनिल कुमार उपाध्याय, चौकी प्रभारी बडोखर, थाना कोरांव प्रयागराज

2. का0 अंकित सिंह, थाना कोरांव प्रयागराज

3. का0 लक्ष्मण सिंह, थाना कोरांव प्रयागराज

पूर्व मंत्री के गांव का मुख्य मार्ग कई दशकों से था उपेक्षा का शिकार, शुरू हुआ निर्माण कार्य

मधुबन, मऊ । मधुबन तहसील क्षेत्र के मधुबन बेल्थरा रोड मुख्य मार्ग को जोड़ने वाला पक्का सड़क मार्ग जो मुख्य मार्ग से बेलौली होते हुए काठतराव रतनपुरा गाईगावा आदि गांव को जोड़ता है। उक्त मार्ग का निर्माण पूर्व में राज्य सरकार में मंत्री रहे काठतराव निवासी बृज बिहारी मिश्र के द्वारा कराया गया था, किंतु उसके बाद से यह मार्ग पुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था जिसका पुनः निर्माण कार्य प्रारम्भ होने से लोगो में उत्साह का माहौल व्याप्त हैं। ज्ञातव्य हो की यह मार्ग पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री के गांव के आवागमन का मुख्य माध्यम था जो कई दशकों से उपेक्षा का शिकार था। और लोगो के आवागमन में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। किंतु अब इसके बन जाने से क्षेत्रीय लोगों को अवागमन की सुविधा सुलभ हो जायेगी। ज्ञातव्य हो की इस मार्ग का निर्माण जिला पंचायत सदस्य अशोक यादव लोहिया के द्वारा कराया जा रहा हैं।

सूचना

दिनांक–20.01.2023 समय 17.00 बजे

स्थान– त्रिवेणी सभागार, पुलिस लाइन

थाना शिवकुटी क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 19.01.2023 को कथित अपहरण की झूठी सूचना देकर पंजीकृत कराये गये अभियोग के अनावरण के सम्बन्ध में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभागार में प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित की जायेगी।

प्रेस विज्ञप्ति

समस्त मान्यता प्राप्त,अनुदानित मदरसों के प्रधानाचार्य,प्रधानाचार्या को सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा संचालित सेकेण्ड्री (मुंशीध्मौलवी), सीनियर सेकेण्ड्री (आलिम अरबीध फारसी), कामिल (अरबीध्फारसी) तथा फाजिल परीक्षा वर्ष–2023 के परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है परीक्षा आवेदन भरने हेतु दिशा–निर्देशों का अनुपालन करते हुए आनलाइन मदरसा पोर्टल http://madarsaboard- upsdc-gov-pd पर अंतिम तिथि 28.01.2023 तक निर्धारित है तथा निर्धारित परीक्षा शुल्क चालान के माध्यम से राजकीय कोष में जमा करने की अंतिम तिथि 24.01.2023 एवं मदरसा पोर्टल पर मदरसा स्तर से दिनांक 31.01.2023 तक आवेदन पत्रों को लॉक करने की अंतिम तिथि निर्धारित है तथा दिनांक 02.02.2023 तक आनलाइन आवेदनों की सूची, मान्यता की प्रति एवं चालान की प्रति कार्यालय अल्पसंख्यक कल्याण कक्ष सं0 50 विकास भवन, प्रयागराज में उपलब्ध कराया जाये।

मेला पुलिस का मानवीय रूप

प्रयागराज । संगम नगरी में मुख्य स्नान पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्नानार्थी माघ मेला आते हैं और माँ गंगा के दरबार में आस्था की डुबकी लगाते हैं और इतने बड़े मेला क्षेत्र का आनंद उठाते हुए तंबुओं में निवास करते हैं। जहाँ इतने बड़े मेला क्षेत्र में बच्चे, बूढ़े, बुजुर्गों एवं आम जनों का अपने परिवार से बिछड़ जाना स्वाभाविक है, ऐसे में मेला क्षेत्र में स्थापित किए गए खोयापाया केन्द्रों के माध्यम से अपने परिवार से बिछड़ जाने वाले श्रद्धालुओं एवं सैलानियों को उनके परिजनों से मेला पुलिस की सक्रियता से त्वरित कार्यवाही करते हुए लगातार मिलाया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला के द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में व्यापक पुलिस प्रबन्ध किए गए हैं जो चप्पे–चप्पे पर निरन्तर सतर्क दृष्टि रखते हुए विशेष सतर्कता बरतते हैं और हर चौराहे–तिराहे पर निगरानी रखते हैं। मेला क्षेत्र में आये हुए श्रद्धालुओंध्सैलानियों को सावधानी पूर्वक स्नान करने एवं अपने परिजनों के साथ रहते हुए अपने सामान को सुरक्षित रखने के लिए 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से लगातार प्रेरित किया जाता है।इस दौरान अपने परिजनो से बिछड़े हुए नेहा पुत्री रामबाबू ग्राम रूपलका पुरवा थाना कटरा बाजार जिला गोण्डा, श्रीमती रामदेवी पत्नी बाबूराम ग्राम गोपाल पुरवा थाना सदरपुर जिला सीतापुर, सुंदरपति पत्नी केदारनाथ ग्राम मुजरा थाना उमरी जिला गोरखपुर, इंदु पत्नी शंकर यादव ग्राम रुदौलिया थाना रुदलपुर जिला देवरिया और मिसरी गुप्ता पुत्र शिव मंगल ग्राम नौकी बाजार जिला गोरखपुर को ड्यूटी पर तैनात मेला क्षेत्र के पुलिसकर्मियों के द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए इनके परिजनों से मिलाया गया। पुलिस के मानवीय कार्य की बिछड़ो के परिजनो द्वारा भूरि–भूरि प्रशंसा की गई एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला डॉ0 राजीव नारायण मिश्र द्वारा सभी पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया गया।

तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय लोक संगीत महोत्सव -2023 हुआ सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। वसेरा, नव ज्योति संस्थान, विवकानन्द युवा मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में माघ मेला, सेक्टर–3, अन्नपूर्णा मार्ग, ओंकार सेवा समिति के शिविर में आयोजत तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय लोक संगीत नृत्य महोत्सव सम्पन्न हुआ।''समापन दिवस पर सर्वप्रथम रायपुर (छ0ग0) तथा ग्वालियर (म0 प्र0) की मीरा वैष्णव तथा अंशिका चौहान की जुगुल जोड़ी ने ''गंगा भइया के अविरल धार'' के साथ प्रयाग महात्म पर प्रस्तुत भजन से दर्शकों को भक्ति भाव विभोर कर दिया। प्रयागराज की कथक नृत्यागना अंकिता मौर्या ने संगतकार सौदंय सिंह तथा दीपक कुमर शाहू के साथ कथक नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को मोहित किया।

इसके साथ ही प्रिया शान्ति (प्रयागराज), आयुशि चौहान (ग्वालियर), ने कथक नृत्य प्रस्तुत किया तथा वसेरा द्वारा अंकिता मौर्या, प्रिया शान्ती, उन्नति गोस्वामी सिद्धान्त शाहू, श्रेया सिंह ने रामायण पर आधारित कथक नृत्य प्रस्तुत किया। जिसे देखकर दर्शक तीर्थयात्री श्रद्धा से मन्त्रमुग्ध हो गये। मैक्स एण्ड ग्रुप ड्रान्स इन्स्टीट्यूट के निदेशक आनन्द कुमार प्रजापति के निर्देशन में शांभवी मिश्रा, परिधि घोष, सांवी केसरवानी, मोनाली, दीक्षा सिंह, शंभवी रंजन, तान्यासाहू, लक्ष्मी, अक्षिता, श्रेया, अदाया सिंह, श्रीठी ने कृष्ण पूजन, दुर्गा पूजन तथा गणेश पूजन नृत्य प्रस्तुत किया।हमारी विरासत सम्मान–2003 वेसरा द्वारा, हमारी विरासत को बचाने, संरक्षित करने तथा प्रचार–प्रसार के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डा0 रमा सिंह के अध्यक्षता में चयनित सर्वश्री महावीर कौजलगी, आई0एफ0एस0, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रयाग, प्रयागाज, इन्द्रमणि पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी, प्रयागराज, गुलाम सरवर, पाण्डुलिपिक अधिकारी प्रयागराज, सन्तोष कुमार सिंह, अध्यक्ष डी0एच0एल0, इन्दौर, डा0 विजय कुमार सिंह, संयोजक लोक पहल, जे0एन0 यायदव पूर्व सूचनाधिकारी, एम0 पी0 सिंह, दारागंज ग्रामोद्योग विकास संस्थान, अरूण कुमार त्रिपाठी लेखक साहित्यकार, उमेश द्विवेदी, राष्ट्रीय रामायण मेला आयोजन समिति श्रृंगवेरपुर, शम्भू चोपड़ा, इन्टेक प्रयागराज चौप्टर, प्रसन्न कुमार घोष, एंग्लोबंगाली इण्टर कालेज, अनुपम परिहार सम्पादक सरस्वती पत्रिका, तथा सुनील कृष्ण राय, प्रयागराज को सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रलय तथा पान–सुपारी के साथ प्रदान किया गया।

इसके साथ ही पत्रकार उमाशंकर तथा हरिश्चन्द्र द्विवेदी तथा आचार्य संतोष कुमार पाण्डेय को भी सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात् आचार्य संतोष कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन प्रारम्भ हुआ। कवि सम्मेलन आयोजित हुआ का संचालन कवि डां0 अशोक अग्रहरि (प्रतापगढ़) ने किया।

फाइनेंस कम्पनी एजेंट से लूट की घटना का हुआ खुलासा, 05 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। शुक्रवार को को स्वाट टीम व थाना रानीपुर पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर ब्राह्मणपुरा चौराहे से कुछ दूरी पर मसंडी रोड पर समय लगभग 11:30 बजे दो मोटसाइकिल सवार पांच अभियुक्तों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 47 हजार रूपये, एक बैग, आईकार्ड,कागजात व तीन पिस्टल,तमंचा व चार जिंदा,खोखा कारतूस व पांच मोबाइलफोन बरामद किया गया। पूछताछ में उनका नाम क्रमशः सुशील कुमार गौतम उर्फ साध ू पुत्र सभाष राम निवासी अकबरपुर तड़वा थाना रानीपुर, शिवम चौहान उर्फ परमहंस पुत्र रविन्द्र चौहान निवासी चौनपुर थाना रानीपुर, रोहित कुमार पुत्र महेन्द्र राम निवासी अकबरपुर थाना रानीपुर, बालेश्वर राजभर उर्फ डोली पुत्र वीरेन्द्र राजभर निवासी अकबरपुर थाना रानीपुर, रविन्द्र राम पुत्र रामू राम निवासी अकबरपुर तड़वा थाना रानीपुर ज्ञात हुआ। गिरफ्तार अभियुक्तों से कड़ाई से पूछताछ किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि 17 जनवरी को हम लोगो द्वारा ही फाइनेंस कम्पनी एजेन्ट से लूट की घटना कारित की गयी थी। इस घटना में हम तीन लोग सुशील, परमहंस व रोहित थे तथा एक अन्य साथी मृत्यूंजय पुत्र राजेश राजभर निवासी मिर्जापुर थाना रानीपुर रास्ते मे आगे असलहा लेकर खड़ा था जो रास्ते में पुलिस से हमारी रक्षा करता तथा बालेश्वर व रविन्द्र द्वारा मुखबिरी की गयी थी। इस सम्बन्ध में पूर्व में पंजीकृत मु0अ0सं0 08ध23 धारा 392 भादवि0 में धारा 411,120बी की बढोत्तरी किया गया तथा मु0अ0सं0 10,23 धारा 307,504 भादवि0 व धारा 3,25 आयुद्ध अधिनिमय का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया। बरामद मोटरसाइकिल वाहनों को अन्तर्गत ध ारा 207 एमवी एक्ट सीज किया गया। गिरफ्ताकर्ता पुलिस टीम अमित मिश्रा

श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव पर निकाली गई प्रभात फेरी

प्रयागराज। साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 356वाँ प्रकाशउत्सव नैनी गुरुद्वारा संगत में 26जनवरी को अत्यंत धूमधाम से मनाया जाएगा। इस क्रम में 20 जनवरी से 24 जनवरी तक प्रभात फेरी,24 जनवरी को श्री अखंड पाठ साहिब आरंभ जिसकी संपूर्णता 26 जनवरी को होगी। सरबंस दानी साहिबे कमाल श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव के पूर्व भोर बेला में प्रभात फेरी नैनी गुरुद्वारा संगत द्वारा बड़ी श्रद्धा और प्यार सहित नैनी के विभिन्न मोहल्लों से भोर बेला मे पैदल भ्रमण कर गुरुद्वारा साहिब में संपन्न हुई। प्रभातफेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुवाणी शब्द कीर्तन का गायन करते हुए कहा कि श्वह प्रगटयों मर्द अगम्मडा वरयाम इकेला, वाह वाह गोविंद सिंह आपै गुरु चेला... इन पुत्रन के शीश पर वार दिए सुत चार ..चार मुएतो क्या हुआ, जीवित कई हजार .. हक्क हक्क आगाह गुरु गोविंद सिंह,शाहे शहंशाह गुरु गोबिंद सिंह वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह, जो बोले सोनिहाल सतश्री अकाल से गुंजायमान वातावरण में प्रभात फेरी का विभिन्न स्थानों पर नगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। श्रद्धालुओं के लिए जगह–जगह प्रसाद की सेवा की।

साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने संसार के सामने जो नया इतिहास रचा वह बेमिसाल है। ऐसे सरबंस दानी गुरु का प्रकाशपर्व बिना किसी भेदभाव से मना कर अपना जीवन सफल बनाएं। दशमेश पिता की खुशियों व आशीर्वाद प्राप्त करें का संदेश दिया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।